

पूरब टाइम्स

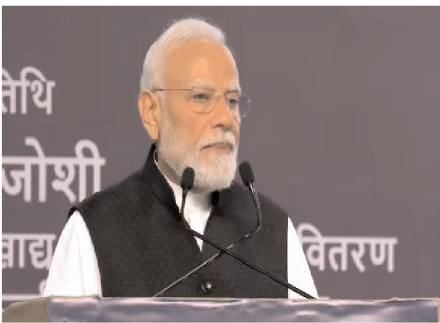
जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 57 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) के शताब्दी समारोह को संबोधित किया, शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया और उसे संबोधित किया। शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने कहा कि आज का मौका श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के लिए बहुत ऐतिहासिक है। यह देश के शिक्षा क्षेत्र के लिए भी उत्तना ही महत्वपूर्ण है। SRCC से जुड़ी कई पीढ़ियां यहां एक साथ आई हैं। मैं आप सभी को SRCC के शताब्दी समारोह पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने पीढ़ियों को गढ़ा है, उन्हें उज्ज्वल भविष्य से जोड़ा है। जो आप उन्होंने पढ़ा, जो निकले वो गढ़े हुए निकले।

मोदी ने कहा कि आज भी, जब दिल्ली यूनिवर्सिटी में कोई पूछता है कि आप किस कॉलेज से हैं, तो बस "SRCC" कह देना ही काफी होता है। सिर्फ "SRCC" कहना ही अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि SRCC के पूर्व छात्र भी बहुत खास रहे हैं। आपकी भाषा में कहूं तो यहाँ के पूर्व छात्र 'OGs' (असली दिग्गज) हैं। उन्होंने दुनिया भर में SRCC का नाम रोशन किया है और अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। मोदी ने कहा कि हमारे अरुण जेटली जी ने यहीं पढ़ाई



की थी। और मैं कह सकता हूँ कि शायद ही हमारी कोई ऐसी मुलाकात हुई हो जिसमें उन्होंने SRCC के दिनों का कोई किस्सा न सुनाया हो। कभी-कभी तो मैं थक भी जाता था क्योंकि वे मुझे वही किस्सा बार-बार सुनाते थे। आज भी, संजीव सान्याल, जो मेरी टीम का हिस्सा है, SRCC के ही पूर्व छात्र हैं। हमारे कई और साथी भी हैं जिन्होंने यहीं पढ़ाई की है। और ऐसा नहीं है कि SRCC से सिर्फ अर्थशास्त्र की दुनिया के लोग ही निकले हैं। कलाकारों से लेकर राजनेताओं, वकीलों और जजों तक, हर क्षेत्र के लोग यहीं से निकले हैं। उन्होंने

कहा कि SRCC के छात्र धुरंधर न सही, लेकिन छात्रों ने हर क्षेत्र में धूम मचाई है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में इस कार्यक्रम, खासकर 2013 में मेरे भाषण की काफी चर्चा हुई है। लोगों ने इसे याद किया, दोबारा सुना और फिर से पढ़ा। हो सकता है कि नई पीढ़ी के लोगों ने भी इसे देखा हो। एक तरह से, मैं कह सकता हूँ कि उस भाषण ने एक लहर पैदा कर दी थी। एक लहर सी दौड़ गई थी और आज भी, 13-14 साल बाद, उस सभा और उस भाषण का असर बना हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा कि शायद लोग उम्मीद कर रहे थे कि वह तत्कालीन केंद्र सरकार पर लंबा और कड़ा हमला करेगा और उन पर कई आरोप लगाएंगे। उन्होंने कहा, "शायद लोग उम्मीद कर रहे थे कि मैं तत्कालीन केंद्र सरकार पर लंबा और कड़ा हमला करूंगा और उन पर कई आरोप लगाऊंगा। लेकिन, भले ही मैं विपक्ष में था और उस समय की सरकार की आलोचना करता था, मैंने इस मंच का इस्तेमाल उस मकसद के लिए नहीं किया। मैंने एक विजन पेश किया। मैंने सकारात्मक बातें कहीं। मैंने जो कुछ भी कहा, वह मेरा पक्का विश्वास था। मैंने हमेशा उन विचारों और सपनों को जिया है।

झीरम घाटी माओवादी हमले में 11 साल बाद न्याय NIA Court ने 10 आरोपियों को ठहराया दोषी



सुरक्षा बल इसे वामपंथी हिंसा की सबसे बुरी घटना मानते हैं

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले की एक विशेष NIA अदालत ने शनिवार को 2013 के झीरम घाटी माओवादी हमले के मामले में सभी 10 आरोपियों को दोषी ठहराया। इस हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं समेत 29 लोग मारे गए थे। वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा की सबसे घातक घटनाओं में से एक यह हमला 25 मई, 2013 को हुआ था, जब माओवादियों ने बस्तर जिले के दरभा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत झीरम घाटी में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांग्रेस की 'परिवर्तन रैली' पर घात लगाकर हमला किया था।

दबचाव पक्ष के वकील अरविंद चौधरी ने बताया कि मामले की सुनवाई के दौरान जगदलपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी अदालत के विशेष न्यायाधीश अभय सिंह राजपूत ने

2 महिलाओं सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि सजा की मात्रा पर आदेश 16 सितंबर के लिए सुरक्षित रखा गया है और कहा कि मुकदमे के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए थे। चौधरी ने कहा हम फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करेंगे। हमें अभी तक फैसले की प्रति नहीं मिली है। हम इसे प्राप्त करने के बाद अपील का आधार बता पाएंगे।

ध्यान देने वाली बात है कि सुरक्षा बलों ने झीरम घाटी हमले को वामपंथी हिंसा की सबसे बुरी घटनाओं में से एक माना है। यह घटना 25 मई 2013 को हुई थी, जब माओवादियों ने बस्तर जिले के दरभा पुलिस स्टेशन इलाके में झीरम घाटी में नेशनल हाईवे पर कांग्रेस नेताओं के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। कुछ कांग्रेस नेता 'परिवर्तन रैली' में शामिल होकर लौट रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। हमले में मारे गए लोगों में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे, जिनमें तत्कालीन राज्य कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश, विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ल और पूर्व विधायक उदय मुदलियार शामिल थे। कई आम नागरिक और सुरक्षाकर्मी भी मारे गए थे।

शिक्षक महाकुंभ अवॉर्ड कार्यक्रम में दिल्ली के 118 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर करीब 118 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को राजकीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार स्कूलों में बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम से जुड़ी कमियां को दूर कर शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए काम कर रही है। त्यागराज स्टडियम में शिक्षक महाकुंभ अवॉर्ड कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद शिक्षा को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है, लेकिन इसकी शुरुआत स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने से करनी होगी।

गुप्ता ने कहा, हम शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और काफी प्रगति करना चाहते हैं, लेकिन पिछली सरकारों ने 12 साल में कुछ नहीं किया। इसलिए सत्ता में आने के बाद हमें बहुत निचले स्तर से काम शुरू करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूलों में शौचालयों की मरम्मत, पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराने, रखरखाव, सफेदी और अन्य जरूरी मरम्मत कार्यों पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, कई स्कूलों में शौचालयों की स्थिति बहुत खराब थी। एक बार मैं एक बहुत अच्छे और प्रतिष्ठित स्कूल के निरीक्षण के लिए गई थी, जिसका पिछली सरकारें काफी तारीफ करती थी। वहां मैंने देखा कि शौचालय में दरवाजा तक नहीं था।

हमारी छात्राएं उसका इस्तेमाल कैसे करती होंगी? मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सरकार पाठ्यक्रम और शिक्षा से जुड़े विषयों पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्री आशीष सुद इन मुद्दों पर लगातार काम कर रहे हैं और सुधार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक समाज की मजबूत नींव होते हैं और वे न केवल किताबी ज्ञान देते हैं, बल्कि छात्रों में संस्कार, कौशल, आत्मविश्वास, कर्तव्य-बोध और सही दिशा भी विकसित करते हैं। गुप्ता ने कहा कि



दिल्ली सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्त वर्ष 2026-27 में शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,148 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के और संवाद कौशल को मजबूत करने के लिए स्कूलों में 170 आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं।

इनमें से 70 मुख्यमंत्री श्री स्कूलों में और 100 अन्य सरकारी स्कूलों में बनाई जाएंगी। शिक्षा मंत्री आशीष सुद ने कहा कि हजारों शिक्षकों के अथक प्रयास और समर्पण ने दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल तक लाना नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर सीखने, समझ और क्षमताओं के लिए तैयार करना था।

दिल्ली सरकार इस नीति को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सुद ने कहा कि शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए 10,417 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। एक बयान के अनुसार, विभिन्न श्रेणियों में कुल 118 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इनमें 20 स्कूल प्रमुख, शिक्षा निदेशालय और नगर निगम (एमसीडी) स्कूलों के 69 शिक्षक तथा तीन मुख्यमंत्री श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इसके अलावा पुस्तकालयाध्यक्षों, विशेष शिक्षकों और खेल शिक्षकों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया

कर्नाटक में शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों को अपने नाम के पहले 'टीआर' लगाने की आधिकारिक अनुमति

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य के शिक्षक समाज में उनके योगदान के सम्मान के तौर पर अपने नाम से पहले 'टीआर' लगा सकते हैं। शिवकुमार ने शिक्षक दिवस के अवसर पर यह घोषणा की। यह चलन चिकित्सक के लिए 'डॉ.', इंजीनियर के लिए 'ईआर' और प्रोफेसर के लिए 'प्रो' जैसे पेशेवर संबोधनों की तरह होगा।

शिवकुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "एक शिक्षक हर उस व्यक्ति को तैयार करता है, जो आगे चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है। भारत के एक करोड़ से अधिक शिक्षक, जिनमें कर्नाटक के लगभग 4.5 लाख शिक्षक भी शामिल हैं, हर दिन हमारे बच्चों की सोच, चरित्र और भविष्य को आकार दे रहे हैं।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर डॉक्टर, इंजीनियर, किसान, अधिकारी, उद्यमी और नेता के पीछे एक शिक्षक होता है, जिसने सबसे पहले उनकी क्षमता को पहचाना और उन्हें यह दिखाया कि वे क्या हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "इस शिक्षक दिवस पर कर्नाटक सरकार ने शिक्षकों के इस अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए एक विशेष पहल करने का फैसला किया है।

आज से कर्नाटक के शिक्षक गर्व के साथ अपने नाम के पहले 'टीआर' का इस्तेमाल कर सकते हैं।" इसे आजीवन सेवा का प्रतीक बताते हुए शिवकुमार ने कहा कि 'टीआर' केवल एक उपाधि नहीं है, बल्कि यह उन शिक्षकों के प्रति सम्मान की मान्यता को दर्शाता है, जिन्होंने दूसरों के जीवन को संवारने के लिए



अपना जीवन समर्पित कर दिया। शिवकुमार ने छात्रों का मार्गदर्शन करने, उनकी गलतियां सुधारने और उन्हें खुद पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले शिक्षकों के प्रति आभार जताते हुए कहा, "जो समाज अपने शिक्षकों का सम्मान करता है, वह अपने भविष्य का सम्मान करता है।" विजयनगर जिले के कुदिलगी में "प्रजा सेवा अभियान" की शुरुआत के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा के बाद राज्य सरकार ने शिक्षकों के पेशे के सम्मान के तौर पर उन्हें अपने नाम के पहले 'टीआर' लगाने की अनुमति देने का फैसला किया है। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "आज हम सर्वप्रथम राधाकुष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मना रहे हैं।

अन्य क्षेत्रों के पेशेवरों को उनके पेशे के आधार पर पहचान मिलती है। इसी तरह सरकार ने शिक्षकों को भी पेशेवर पहचान देने का फैसला किया है।" शिवकुमार ने कहा, "समाज दो तरह के लोगों को ईश्वर के समान मानता है—माता-पिता, जो हमें जन्म देते हैं और शिक्षक, जो जीवन में हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

बिहार में लगातार भारी बारिश के कारणे 11 जिलों के 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

पटना। बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य के 11 जिलों में करीब 10.26 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, वहीं भारी बारिश के बीच शनिवार सुबह पटना के गांधी घाट और पंडारक में गंगा नदी का जलस्तर 10 सेंटीमीटर बढ़कर 'उच्चतम बाढ़ स्तर' को पार कर गया। आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को भागलपुर और नवगछिया के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "अधिकारियों को समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं करने, पर्याप्त राहत सामग्री उपलब्ध कराने और त्वरित बचाव के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी न हो।" मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने तथा राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया है। जल संसाधन विभाग के बुलेटिन के अनुसार, शनिवार सुबह 10 बजे गंगा नदी दो स्थानों पर उच्चतम बाढ़ स्तर से ऊपर बढ़ रही थी, जिससे राजधानी के निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ गया है। लोगों से नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की गई है।



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। बुलेटिन के अनुसार, बिहार में कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं। इनमें डुमरियाघाट और हाजीपुर में गंडक, बलतारा में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक, दीघा, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव, बक्सर और मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन तथा दरौली में घाघरा नदी शामिल हैं। जल संसाधन विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर चार घंटे में 10 सेंटीमीटर बढ़कर 50.53 मीटर स्तर पर पहुंच गया।

यह 'अब तक के सबसे ऊंचे बाढ़ स्तर' से एक सेंटीमीटर अधिक है। विभाग के अनुसार, गांधी घाट पर गंगा का पिछला उच्चतम बाढ़ स्तर 50.52 मीटर था, जो 21 अगस्त 2016 को दर्ज किया गया था। विभाग ने कहा, "पूर्वानुमान है कि रविवार सुबह आठ बजे तक गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर और बढ़कर 50.62 मीटर तक पहुंच सकता है।



अपन तो कहेंगे : कमा तो कैसे भी लेंगे पर वाहवाही और लाइक्स केवल रील्स बनाकर ही पा सकते हैं

बीजेपी ने कौंडा सुरेखा को हटाए जाने पर कांग्रेस की महिला प्रतिनिधित्व नीति पर सवाल खड़े किए

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना में वन मंत्री कौंडा सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाए जाने को लेकर शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस कदम से पता चलता है कि पार्टी राजनीति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के खिलाफ है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया। यह कार्रवाई सुरेखा की बेटी की ओर से मुख्यमंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच की गई।

वहीं, सुरेखा ने दावा किया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और रेवंत रेड्डी पर "ब्लैकमेल की राजनीति" करने का आरोप लगाया। भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाए जाने को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया और कहा कि यह कार्रवाई कांग्रेस के कथनी और करनी के बीच अंतर को दर्शाती है। उन्होंने इस मामले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेताओं राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाद्रा की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

त्रिवेदी ने कहा, "राहुल गांधी के अलावा खरगे भी इस मुद्दे पर चुप हैं, जबकि उन्होंने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग की थी।" भाजपा के राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा, "इससे उनका असली चेहरा सामने आ गया है। कांग्रेस अपनी



सोच, शब्दों और कार्यों में राजनीति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने के पूरी तरह खिलाफ है। कांग्रेस की कथनी और करनी के बीच का अंतर अब साफ दिखाई दे रहा है।" त्रिवेदी ने कहा कि तेलंगाना में सुरेखा को हटाए जाने के बाद कांग्रेस शासित राज्यों में अब केवल तीन महिला मंत्री रह गई हैं। उन्होंने कहा, "कांग्रेस शासित तेलंगाना में दो महिला मंत्रियों में से एक को हटा दिया गया है। केरल में मंत्रिमंडल में केवल दो महिलाएं हैं। वहीं, कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के मंत्रिमंडल में एक भी महिला नहीं है।" भाजपा नेता ने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी की नेता प्रियंका गांधी ने कभी 'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' का नारा दिया था, वह महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर अपनी "दोहरी नीति" के कारण अब बेनकाब हो गई है।

गुस्ताखी माफ



'जैसा गुरु वैसा चेला, चतुर गुरु चालाक चेला'

शिक्षक दिवस पर एक नेताजी मंच से गरज रहे थे— "आज मैं जो कुछ भी हूँ, अपने पूज्य गुरुओं की बदौलत हूँ!" उनकी 'गुरु-महिमा' सुनते ही मेरी आँखों के सामने उनकी जीवनी की फ़िल्म चलने लगी. आदमी मैं जब वे साथी को पीटते पकड़े गए, तो गुरुजी ने उन्हें स्कूल से निकाल दिया. इस कृपा से वे आधारा टोली में शामिल होकर दबंग बन गए, फिर मेट्रिक परीक्षा में दूसरे गुरुजी ने नकल करते पकड़ा, तो बाहर निकलकर नेताजी ने गुरुजी की ही 'कुटाई' कर दी. नतीजतन वे बाल सुधार गृह पहुँचे, जहाँ के गुरुजी से इतने डंडे खाए कि मार का डर ही खत्म हो गया. इस निडरता से प्रभावित होकर एक स्थानीय नेता ने उन्हें अपना चेला बना लिया. गुरु-नेता के इशारे पर हाथ-पैर तोड़ने, प्रदर्शनों में डंडे खाने और जेल जाने की कला सीखकर वे 'छुटभैया नेता' बने. आगे चलकर उसी राजनैतिक गुरु से सीखी अवसरवादिता का परिचय देते हुए, नेताजी ने गुरु के खिलाफ ही भीतरघात कर उन्हें चुनाव हरवा दिया और खुद कुर्सी पर काबिज हो गए! सचमुच, उन नेताजी की यह अपार गुरु-भक्ति देखकर मेरी आँखें नम हो गईं.

मैंने जब यह कथा अपने व्यांगकार गुरु 'पत्रकार माधो' को सुनाकर शिक्षक दिवस की बधाई दी, तो वे मुस्कुराकर बोले— "अच्छ है कि सालभर अपमानित करने वाले लोग कम से कम इस दिन तो सम्मता का श्रेय गुरुओं को देते हैं! पुराने दौर में गुरु-शिष्य रिश्ते में नैतिकता थी, अब सब कर्मशायिल है. खैर, शिक्षक दिवस के आयोजकों को साधुवाद, जो साल में एक दिन शिक्षकों को 'महान होने का मुगालात' दे देते हैं. मैं आज के शिष्यों को भी तहेदिल से धन्यवाद देता हूँ क्योंकि वे बेवर्द शिष्य अपनी किसी भी असफलता का सारा दोष, गुरुओं के मध्ये मढ़ सकते हैं पर आज के दिन नहीं मढ़ते.

इंजी. मधुर चितलांग्या 'माधो'

व्यांगकार व संपादक, दैनिक पूरब टाइम्स

सिटी सक्षिप्त समाचार

जिले में अब तक 1103.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 1 जून से 5 सितंबर 2026 तक 1103.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवधि में कोटाडोल तहसील में सर्वाधिक 1490.4 मिमी, जबकि खड़गांव में न्यूनतम 801.4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ में 1078.2 मिमी, चिरमिरी में 1000.5 मिमी, केल्हारी में 940.4 मिमी, भरतपुर में 1310.5 मिमी तथा कोटाडोल में 1490.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्री राधा-कृष्ण बड़े मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा स्थित श्री राधा-कृष्ण बड़े मंदिर पहुंचकर भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आनंद का संचार हो। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों, उनके जीवन संदेश और धर्म एवं सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उमंग और खुशियां लेकर आए तथा प्रदेश निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़े।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर खनिज विभाग की त्वरित कार्रवाई

अवैध रेत एवं गिट्टी परिवहन में 8 ट्रैक्टर वाहन जब्त रायपुर। जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खनिज विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच एवं कार्रवाई कर अवैध रेत एवं गिट्टी परिवहन करते पाए गए 8 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। खनिज विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में ग्राम खंता से रेत परिवहन करते 2 ट्रैक्टर, रुमगा से 1 ट्रैक्टर, चिचगोहना से 1 ट्रैक्टर, कोरजा से 1 ट्रैक्टर एवं लालपुर से 1 ट्रैक्टर वाहन तथा कोटमी से गिट्टी का अवैध परिवहन करते 1 ट्रैक्टर वाहन जब्त किया गया।

आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के सूचकांकों की कलेक्टर ने की समीक्षा

शिक्षा एवं स्वास्थ्य के संकेतकों में सुधार के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश

महासमृंद। आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिले में निर्धारित विभिन्न सूचकांकों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, राज्य नोडल अधिकारी शिवम मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री अनुपमा आनंद ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर सूचकांकों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित संकेतकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आकांक्षी जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम के प्रत्येक सूचकांक को प्राथमिकता के साथ लिया जाए तथा जिन संकेतकों में जिले अथवा विकासखंड की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है, उनमें सुधार के लिए विभागवार कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा के



संकेतकों पर विशेष फ़ोकस समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग से संबंधित संकेतकों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। बैठक के पूर्व राज्य नोडल अधिकारी द्वारा मैदानी निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया एवं सीधे हितग्राहियों एवं ग्रामीणों से चर्चा की गई।

बैठक में विकासखंड पिथौरा में हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम पाए जाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को विद्यालयवार स्थिति का विश्लेषण कर कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों को चिन्हंकित करने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग, अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग एवं

आवश्यक सुधारात्मक गतिविधियां संचालित करने कहा गया। इसी तरह कम्प्यूनिटी लाइब्रेरी के निर्माण/व्यवस्था को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि

लाइब्रेरी को केवल भवन तक सीमित न रखते हुए पुस्तकों, अध्ययन सामग्री एवं उपयोगी संसाधनों से सुसज्जित कर नियमित उपयोग सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार के लिए सतत निगरानी

स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले आकांक्षी जिला कार्यक्रम के विभिन्न संकेतकों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच से जुड़े संकेतकों में निरंतर सुधार के लिए मैदानी स्तर पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कमजोर संकेतकों वाले क्षेत्रों की पहचान कर लक्षित हस्तक्षेप करने पर जोर दिया गया।

जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को मिला

‘ईट राइट कैंपस’ का 5-स्टार एक्सेम्प्लरी प्रमाण-पत्र

स्वस्थ भोजन और सुरक्षित खान-पान की दिशा में कांकेर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण उपलब्धि

उत्तर बस्तर कांकेर। स्वच्छ, सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन कांकेर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा ‘ईट राइट कैंपस’ के रूप में 5-स्टार ‘एक्सेम्प्लरी’ प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रमाण-पत्र 2 सितंबर 2026 से 1 सितंबर 2028 तक प्रभावी है। यह उपलब्धि जिला अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल के कर्मचारियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

स्वस्थ भोजन की संस्कृति को बढ़ावा ‘ईट राइट कैंपस’ पहल का उद्देश्य संस्थानों में सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देना तथा लोगों में सतृलुता और स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूकता विकसित करना है। जिला अस्पताल की कैंटीन का इस पहल के



तहत ‘एक्सेम्प्लरी’ श्रेणी में 5-स्टार प्रमाणन प्राप्त करना कांकेर जिले में खाद्य सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ अस्पताल परिसर में उपलब्ध खाद्य व्यवस्था को भी गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका सीधा लाभ अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को मिलेगा।

FSSAI के मानकों पर खरा उतरा जिला अस्पताल कैंटीन-जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन का यह प्रमाणन भारतीय खाद्य

सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा निर्धारित ‘ईट राइट कैंपस’ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। प्रमाण-पत्र पर FSSAI के कार्यकारी निदेशक श्री यू.एस. ध्यानी के हस्ताक्षर हैं। इस उपलब्धि में FSDA कांकेर की कार्यान्वयन भागीदारी, Onecrew Services Private Limited की ऑडिटिंग भागीदारी तथा Gyncity Educational Trust की प्रशिक्षण भागीदारी रही।

जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिणाम जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को मिला यह प्रमाण-पत्र जिला प्रशासन कांकेर की ‘स्वस्थ जिला’ की दिशा में प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण परिणाम है। प्रशासन का प्रयास है कि शासकीय संस्थानों में नागरिकों को बेहतर सुविधाओं के साथ सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ भी उपलब्ध हों 5-स्टार ‘एक्सेम्प्लरी’ प्रमाणन कांकेर जिले के लिए गौरव की उपलब्धि है और यह स्वस्थ खान-पान एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को नई पहचान प्रदान करता है।

शिक्षक दिवस पर जिला स्तरीय समारोह- 21 उत्कृष्ट शिक्षक ज्ञानदीप और शिक्षादूत पुरस्कार से सम्मानित



नेताम रहे। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन और अच्छे संस्कार भी विकसित करते हैं। वे बच्चों में स्वतंत्र सोच, रचनात्मकता और कुछ नया सीखने की जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण की धुरी बताते हुए

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन इस प्रकार करने का अह्वान किया कि वे समाज के लिए मिसाल बन सकें।

21 उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ

सम्मान

समारोह में जिले के 21 उत्कृष्ट शिक्षकों



को सम्मानित किया गया। ज्ञानदीप पुरस्कार से श्याम सुंदर चौरगे (शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला कोरवापारा, राजपुर), नीलीमा एक्का (शिक्षिका, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डोरा), जवाहर लाल पैकरा (प्रधान पाठक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरई, शंकरगढ़) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शिक्षादूत पुरस्कार जिले के विभिन्न विकासखंडों के 18 शिक्षकों को

उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बबली देवी, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर

शहर का किया पैदल निरीक्षण

–स्वच्छता एवं विकास कार्यों का लिया जायजा, अनुपस्थित सब इंजीनियर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने आज कांकेर शहर के नए बस स्टैंड क्षेत्र एवं मेला भाटा का पैदल निरीक्षण कर शहर की स्वच्छता व्यवस्था सहित विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने सड़कों की नियमित एवं बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क के बीच बने डिवाइडरों में लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई करने तथा

शहर की स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रतिदिन सुबह वाडों का निरीक्षण करने हेतु एसडीएम, तहसीलदार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने मेला भाटा के समीप नवनिर्मित 5 हजार लीटर क्षमता की पेयजल टंकी का निरीक्षण किया और शहर में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। टंकी का निर्माण पूर्ण होने के बावजूद इससे पेयजल आपूर्ति प्रारंभ नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने एक सप्ताह के भीतर टंकी से पेयजल आपूर्ति प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित सब इंजीनियर के मौके पर अनुपस्थित पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की।

वनमंत्री केदार कश्यप मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह में पहुंचे

नारायणपुर। जिला मुख्यालय स्थित ए.जी. ऑडिटोरियम में आज मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप तथा राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर उपस्थित रहे। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल एवं श्रीफ्ला भेंट कर सम्मानित किया गया।

रमन डेका ज्यादा जानें Breaking News Alert नए स्थान तलाशें Science News कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अनुशासन, संस्कार, धैर्य और संकल्प के साथ शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि परिवार व्यक्ति की पहली पाठशाला है। परिवार से प्राप्त संस्कार और ज्ञान जीवनभर मनुष्य के साथ रहते हैं। बच्चों को माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करते हुए अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्राथमिक शाला से ही गुरुजन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन के मूल्यों की सीख देते हैं। गुरुजनों द्वारा दिए गए ज्ञान एवं मार्गदर्शन को आत्मसात करने वाले विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त



कर अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल होते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुजनों के आदर्शों का सम्मान करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए कठिन परिश्रम करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को जाना तथा उन्हें शिक्षा के साथ अपने हुनर एवं प्रतिभा को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर अभ्यास, अनुभव और सकारात्मक सोच आवश्यक है।

श्री कश्यप ने विद्यार्थियों को मोबाइल फ़ोन का उपयोग पढ़ाई एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के लिए करने की समझाइयां देते हुए मोबाइल के दुरुपयोग से बचने और अपना ध्यान शिक्षा पर केंद्रित करने की अपील की। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ सेल्फी भी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य

के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में लेखक शिव कुमार पाण्डेय द्वारा अबुझमाड़ की संस्कृति एवं परंपराओं को केंद्र में रखते हुए लिखित पुस्तक ‘*बस्तर के लोक जीवन में वनस्पतियां*’ का विमोचन भी किया गया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं शिक्षा दूतों का सम्मान शिक्षक दिवस के अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने सेवानिवृत्त शिक्षक सुमेर सिंह मंडावी, उषा किरण बैस, धनसिंह बघेल, अर्चना देवनाथ, मस्सूराम शोरी, शशिकला पटेल, भागीरथी मरकाम, राधेश्याम धरुव, रेवती मेंडिया, गणेश प्रसाद देवांगन, राजुला हिडको, लोचन सिंह पात्र, आनंद कुमार स्वर्णकर, फरुख अहमद खान एवं रीना मंडल को शॉल एवं श्रीफ्ला भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में विकासखंड स्तर पर शिक्षा दूत पुरस्कार से गायत्री पटेल, नवीन तिवारी, चेतमाणी नंदी, गोगा राम उसेण्डी, छत्तर सिंह भोयना एवं शिक्षा शर्मा को सम्मानित किया गया। वहीं जिला स्तर पर ज्ञानदीप पुरस्कार से चंदन दास मानिकपुरी, संगीता ठाकुर एवं विद्यासागर उसेण्डी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष इन्द्रास्थ बघेल, जनपद अध्यक्ष पिंकी उसेंडी, छोटेडोंगर सरपंच संध्या पवार, पार्षद रामशिला नाग सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, कलेक्टर नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल, डीएफ़डो डॉ. वैकटेशा एमजी, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ पाण्डे सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवाओं को हुनर और कौशल से सशक्त बनाना जरूरी: विश्व विजय सिंह तोमर

‘युवा उड़ान’ कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान, विकसित छत्तीसगढ़

के संकल्प में युवाओं की भागीदारी पर जोर नारायणपुर। जिला मुख्यालय स्थित ए.जी. ऑडिटोरियम में शनिवार को ‘युवा उड़ान’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में युवाओं के लिए केवल शिक्षा हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने हुनर, कौशल, जिज्ञासा और रचनात्मकता को लगातार विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर और मंच उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन 2047 से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ‘युवा उड़ान’ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हुए उनके अंदर नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को विकसित करना है।

श्री तोमर ने बताया कि ‘युवा उड़ान’ कार्यक्रम में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 11वीं के मेधावी विद्यार्थी, महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, कला, साहित्य, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले युवा, खेल अकादमियों के प्रशिक्षणार्थी तथा प्रतियोगी प्रतियोगी प्रतियोगी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पोलिटेक्निक एवं आईटीआई के विद्यार्थी, सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर, सामाजिक कार्यकर्ता, कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी, छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थी, दिव्यांगजन एवं आत्मसमर्पित पूर्व नवसली युवाओं को भी कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा के अनुरूप नए अवसरों की तलाश करने और समाज तथा देश के विकास में अपनी भूमिका निभाने का अह्वान किया।

कार्यक्रम में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग की वेबसाइट एवं निर्धारित गुगल फ़ॉर्म के माध्यम से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण की भूमिका से कराया परिचित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। ‘युवा शक्ति-राष्ट्र शक्ति’ विषय पर डॉ. मीनाक्षी ठाकुर ने संबोधित करते हुए विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वहीं ‘एक देश-एक चुनाव’ विषय पर डॉ. विश्वजीत ने विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं को सरल तरीके से समझाया। ‘युवा उड़ान’ विषय पर डॉ. सतीश पाण्डेय ने प्रेरक कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उत्कृष्ट खिलाड़ियों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कार्यक्रम में जिले के उन खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने शिक्षा और खेल के क्षेत्र में जिला का नाम रोशन किया है। खेलो इंडिया में जिला उपविजेता फुटबॉल खिलाड़ी शशिकांत कुमेश्वी एवं मनीष कोवाची को खेल पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के मलखंभ विजेता खिलाड़ी संताय पोटाई एवं मोनिका पोटाई को भी सम्मानित किया गया।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

भारत के अंतरिक्ष बेड़े में कितने सैटेलाइट



भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में पिछले कुछ दशकों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। आज इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के पास संचार, मौसम, नेविगेशन, जासूसी, आपदा प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए कई सक्रिय सैटेलाइट मौजूद हैं। भारत के पास अंतरिक्ष में मौजूद सक्रिय सैटेलाइट की संख्या अलग-अलग समय पर बदलती रहती है। वर्तमान में भारत के 130 से ज्यादा सक्रिय सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा (ऑर्बिट) में काम कर रहे हैं, जिनमें इसरो के साथ-साथ अन्य भारतीय अंतरिक्ष संस्थानों और वाणिज्यिक मिशनों के उपग्रह भी शामिल हैं।

- इसरो के सैटेलाइट बेड़े की प्रमुख श्रेणियां
1. अर्थ ऑब्जरवेशन सैटेलाइट

भारत के पृथ्वी अवलोकन (Earth Observation) उपग्रह जमीन, खेती, जंगल, जल संसाधन, मौसम और आपदा प्रबंधन में मदद करते हैं।
इनमें प्रमुख हैं— Cartosat सीरीज – मैपिंग और निगरानी के लिए Resourcesat सीरीज – प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी के लिए RISAT सीरीज – रडार इमेजिंग और बादलों के बीच भी निगरानी के लिए EOS सीरीज – आधुनिक पृथ्वी अवलोकन मिशन

2. संचार सैटेलाइट

भारत में टीवी प्रसारण, इंटरनेट, टेलीफोन और अन्य संचार सेवाओं के लिए INSAT और GSAT सीरीज के उपग्रह काम करते हैं। प्रमुख सैटेलाइट— GSAT-7 GSAT-11 GSAT-19 INSAT-3D INSAT-3DS ये उपग्रह देश की संचार और मौसम संबंधी जरूरतों में अहम भूमिका निभाते हैं।

3. नेविगेशन सैटेलाइट

(NavIC) भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम NavIC (Navigation with Indian Constellation) है। यह GPS की तरह काम करता है और भारत तथा आसपास के क्षेत्रों में लोकेशन और नेविगेशन सेवाएं देता है।

4. वैज्ञानिक मिशन

इसरो ने अंतरिक्ष विज्ञान के लिए कई महत्वपूर्ण मिशन भेजे हैं— Aditya-Lv – सूर्य का अध्ययन Chandrayaan मिशन – चंद्रमा की खोज AstroSat – खगोलीय अध्ययन हाल में शामिल हुआ EOS-05 ISRO ने GSLV-F17 रॉकेट के जरिए EOS-05 सैटेलाइट लॉन्च किया, जो पृथ्वी की निगरानी और इमेजिंग क्षमता को मजबूत करने वाला मिशन है। अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती ताकत भारत अब सिर्फ अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के सैटेलाइट भी लॉन्च कर रहा है।

इसरो ने अब तक कई विदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया है और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आज इसरो का सैटेलाइट नेटवर्क खेती से लेकर सुरक्षा, मौसम पूर्वानुमान, आपदा राहत और डिजिटल सेवाओं तक देश की कई महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा कर रहा है।

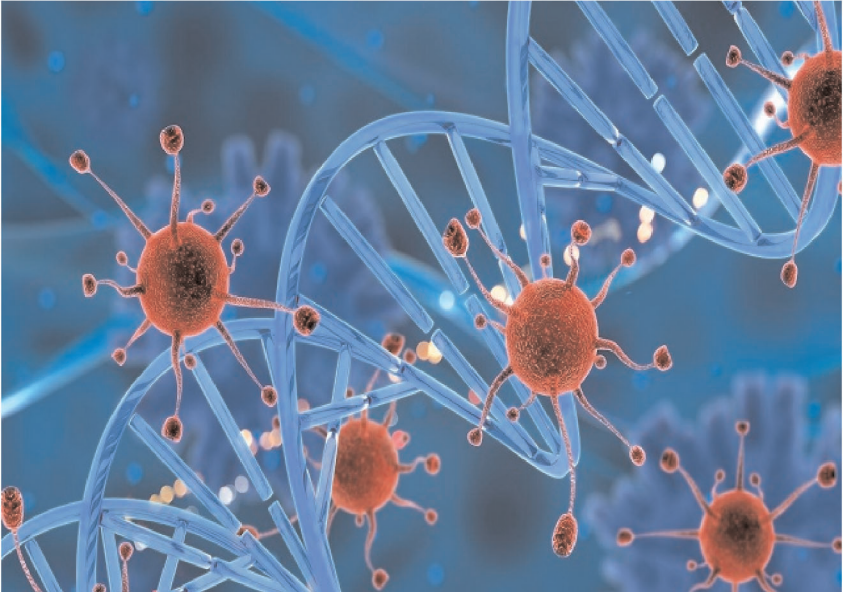
कैंसर इलाज में नई उम्मीद, द्यूमर तक सीधे दवा वैज्ञानिकों ने माइक्रोजेल कणों पर किया अहम प्रयोग।

क्या है माइक्रोजेल का पूरा मामला?

रमन रिसर्च इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने माइक्रोजेल कणों पर किया अहम प्रयोग। तापमान में बदलाव से इन कणों के व्यवहार को नियंत्रित करने की कोशिश, भविष्य में द्यूमर तक दवा पहुंचाने वाली तकनीक में मिल सकती है मदद।

कैंसर के इलाज में दवा को पुरे शरीर में फैलाने के बजाय सीधे उस हिस्से तक पहुंचाना, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, इलाज को अधिक प्रभावी बनाने में मदद कर सकता है। इसी दिशा में रमन रिसर्च इंस्टिट्यूट (RRI) के भारतीय वैज्ञानिकों ने माइक्रोजेल कणों को लेकर एक अहम प्रयोग किया है।

तापमान में बदलाव करके कुछ समय के लिए जमे हुए माइक्रोजेल कणों को दोबारा तरल जैसा व्यवहार करने की स्थिति में लाया जा सकता है। इससे भविष्य में इन कणों की गति और व्यवहार को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह अभी शुरुआती स्तर का वैज्ञानिक शोध है। इसे कैंसर का तैयार इलाज नहीं माना जा सकता। शोध में वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि कणों की गति को पूरी तरह नियंत्रित करना आसान नहीं था।



दवा पहुंचाने में कैसे आ सकती है काम?

माइक्रोजेल का इस्तेमाल दवा पहुंचाने वाली तकनीकों में पहले से किया जाता रहा

बढ़ने पर सिकुड़ने लगते हैं। तापमान के साथ होने वाले इस बदलाव का इस्तेमाल भविष्य में यह नियंत्रित करने के लिए किया जा सकता है कि दवा कब और किस परिस्थिति में रिलीज हो। यही वजह है कि वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि आगे चलकर माइक्रोजेल आधारित तकनीक को द्यूमर जैसे लक्षित हिस्सों तक दवा पहुंचाने के लिए विकसित किया जा सकता है।

अभी लंबा है इलाज तक का रास्ता

यह शोध कैंसर के मरीजों के लिए सीधे तौर पर उपलब्ध इलाज नहीं है। अभी यह समझना जरूरी है कि प्रयोगशाला में मिले नतीजों को वास्तविक शरीर में इस्तेमाल करने के लिए कई और चरणों की जरूरत होगी। वैज्ञानिकों को यह भी पता लगाना होगा कि इन कणों को शरीर के अंदर सुरक्षित तरीके से लक्षित हिस्से तक कैसे पहुंचाया जाए और दवा को सही समय पर नियंत्रित तरीके से कैसे रिलीज किया जाए। इसलिए फिलहाल इसे भविष्य की लक्षित दवा पहुंचाने वाली तकनीक की दिशा में एक शुरुआती वैज्ञानिक कदम माना जा सकता है।

किन गलतियों की वजह से ज्यादातर इंश्योरेंस क्लेम होते हैं रिजेक्ट

इंश्योरेंस का मकसद मन की शांति देना है, जब जिंदगी में अचानक कोई मुश्किल आती है – चाहे वह कार एक्सीडेंट हो, मेडिकल इमरजेंसी हो, घर में आग लग जाए, या कोई ट्रिप खराब हो जाए। लेकिन, अगर आपका इंश्योरेंस वलेम अचानक रिजेक्ट हो जाए तो यह शांति खत्म हो सकती है।

वलेम रिजेक्ट होना कोई नई बात नहीं है। हर साल हजारों वलेम ऐसे कारणों से रिजेक्ट हो जाते हैं जिन्हें अवसर रोका जा सकता है। यह आर्टिकल इंश्योरेंस वलेम रिजेक्ट होने के सबसे आम कारणों के बारे में बताता है, बताता है कि वलेम प्रोसेस कैसे काम करता है और इन महगी गलतियों से बचने के लिए प्रैक्टिकल टिप्स देता है।

इंश्योरेंस वलेम क्या है?

इंश्योरेंस वलेम एक फॉर्मल रिक्रेस्ट है जो पॉलिसी होल्डर अपनी इंश्योरेंस पॉलिसी के तहत कवर हुए नुकसान या डेमैज के लिए क्लेमनेशन या कवरेज के लिए इंश्योरेंस कंपनी से करता है। यह इंश्योरेंस कंपनी से फंडनेशियल मदद मांगने का आपका तरीका है ताकि आप किसी अनचाही घटना से उबर सकें। इंश्योरेंस वलेम कई वजहों से फ़ाइल किए जा सकते हैं, जैसे कार एक्सीडेंट, प्रॉपर्टी का नुकसान, मेडिकल खर्च, या जान का नुकसान भी।

इंश्योरेंस वलेम प्रोसेस को समझना

इससे पहले कि हम जानें कि वलेम क्यों रिजेक्ट होते हैं, यह समझना जरूरी है कि यह प्रोसेस आम तौर पर कैसे



काम करता है :

–घटना होना – कुछ ऐसा होना जो आपकी पॉलिसी में कवर होता है (जैसे, कार एक्सीडेंट, बीमारी, चोरी)।

–नोटिफ़िकेशन – आप एक तय टाइमफ्रेम के अंदर अपनी इंश्योरेंस कंपनी को इन्फॉर्म करते हैं।

–डॉक्यूमेंटेशन–आप पुलिस रिपोर्ट,रसीदें,मेडिकल रिपोर्ट वगैरह जैसे प्रूफ देते हैं।

–असेसमेंट – इंश्योरेंस कंपनी वलेम की जांच और मूल्यांकन करती है।

–फ़ैसला–नतीजों और पॉलिसी की शर्तों के आधार पर वलेम को मंजूरी दी जाती है या नामंजूर किया जाता है।

हालांकि यह प्रोसेस सीधा लगता है, लेकिन एक भी गलती आपके पूरे वलेम को पटरी से उतार सकती है।

वलेम रिजेक्ट होने की 3 सबसे आम गलतियां

1. गलत या अधूरी जानकारी देना (Non-Disclosure)

–पॉलिसी लेते समय स्वास्थ्य, आय या जीखिम से जुड़ी जानकारी छिपाना

–मेडिकल हिस्ट्री, धूम्रपान/शराब की आदतें न बताना

–बीमा कंपनियां इसे मटेरियल फैक्ट छिपाना मानती हैं

नतीजा: वलेम के समय कंपनी जांच में यह सामने आने पर दावा खारिज कर सकती है।

2. पॉलिसी की शर्तें और कवरेज न समझना

– क्या-क्या कवर है और क्या नहीं, इसकी जानकारी न होना

– वेंटिंग पीरियड, एक्सेक्लूजन को नजरअंदाज करना, जैसे – कुछ बीमारियां शुरुआती वर्षों में कवर नहीं होतीं

नतीजा: ऐसे मामलों में वलेम "नियमों के तहत" रिजेक्ट कर दिया जाता है।

3. समय पर वलेम न करना या दस्तावेज अधूरे देना

– वलेम की सूचना देने में देरी करना

– जरूरी दस्तावेज (बिल, रिपोर्ट, FIR आदि) जमा न करना

– गलत फॉर्म या अधूरी जानकारी देना

नतीजा : प्रक्रिया अधूरी होने के कारण वलेम अस्वीकृत हो सकता है।

किन बातों का रखें खास ध्यान?

वलेम करते समय निम्नलिखित बातों ध्यान रखना आवश्यक होता है :

–पॉलिसी खरीदते समय पूरी और सही जानकारी दें

–सभी शर्तों को ध्यान से पढ़ें

– इलाज/दुर्घटना के तुरंत बाद कंपनी को सूचित करें

– सभी दस्तावेज सुरक्षित रखें और समय पर जमा करें

–एजेंट या कंपनी से किसी भी शंका पर लिखित पुष्टि लें

वलेम रिजेक्शन से कैसे बचें?

वलेम रिजेक्शन से बचने के लिए अवसर तैयारी, ट्रांसपेरेंसी और कम्युनिकेशन की जरूरत होती है। यहाँ कुछ यूनिवर्सल टिप्स दिए गए हैं :

– अपने पॉलिसी डॉक्यूमेंट्स को रेगुलर रिव्यू करें

– अपनी इंश्योरेंस कंपनी को ज़िंदगी में होने वाले किसी भी बदलाव (जैसे, घर बदलना, हेल्थ कंडीशन, नौकरी में बदलाव) के बारे में अपडेट करें

–कीमती सामान और रसीदों का पेपर और डिजिटल रिकॉर्ड रखें.

–पॉलिसी खरीदने से पहले सवाल पूछें और साफ़ करें कि क्या कवर है और क्या नहीं

–अपनी इंश्योरेंस कंपनी के पेय या कस्टमर सर्विस का इस्तेमाल करके उनके डॉक्यूमेंटेशन और रिपॉर्टिंग प्रोसेस को समझें.इंश्योरेंस आपकी सुरक्षा के लिए होता है, लेकिन यह तभी काम करता है जब आप समझते हैं कि यह कैसे काम करता है।

मोबाइल में फुल नेटवर्क होने के बावजूद क्यों होती है कॉल ड्रॉप ? जानिए इसके पीछे का Technical Reason

अक्सर नेटवर्क पूरे होने के बाद भी फ़ोन में कॉल अचानक से कट जाती है। फिर लोग सोचते हैं कि सिग्नल फ़ुल हैं, तो कॉलिंग भी बेहतर हो सकती है। हालांकि, ऐसा बिल्कुल नहीं है, फ़ोन में दिखने वाले नेटवर्क बार मुख्य रूप से फ़ोन तक पहुंच रहे सिग्नल की पावर बताते हैं, जबकि कॉल की क्वालिटी कई दूसरी तकनीकी चीज़ों पर निर्भर करती है।

पूरे नेटवर्क होने के बाद भी कट जाती है कॉल?

नेटवर्क कंजेशन हो सकता है बड़ी वजह CellPhones

–कॉल ड्रॉप की सबसे बड़ी समस्या है कि नेटवर्क कंजेशन। यदि किसी एरिया में एक ही समय पर बहुत ज्यादा लोग मोबाइल नेटवर्क या कॉलिंग का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो टावर पर दबाव बढ़ सकता है।

– इस परिस्थिति में फ़ोन पर सिग्नल फ़ुल दिखाई देते हैं, लेकिन नेटवर्क पर ज्यादा ट्रैफ़िक होने के कारण कॉल अचानक डिस्कनेक्ट हो जाती है।

एक टावर से दूसरे टावर पर स्विच होने से भी समस्या

– जब आप फ़ोन चेंज करते हुए इस्तेमाल करते हैं, तो वह लगातार



अलग-अलग मोबाइल टावर या नेटवर्क बैंड से कनेक्ट हो जाता है।

–सफ़र के दौरान फ़ोन को एक टावर से दूसरे टावर पर हैंडओवर करना पड़ता है। यदि यह प्रक्रिया अच्छे न हुई हो, तो चल रही कॉल ड्रॉप हो जाती है।

– यह कारण है कि यात्रा करते समय या तेज गति से चलते हुए कॉल कटने की समस्या अधिक देखने को मिलती है।

–आज के स्मार्टफ़ोन में 5G,4G और दूसरे नेटवर्क के बीच स्विचिंग होती रहती है। यदि फ़ोन लगातार नेटवर्क बदल रहा है या 5G से 4G पर स्विच करते समय कनेक्शन में समस्या आती है, तो इसका असर कॉल पर पड़ता है।

कॉल ड्रॉप की समस्या कैसे करें ठीक?

फ़ोन को रीस्टार्ट करें

सबसे पहले अपने फ़ोन को रीस्टार्ट करें। इससे फ़ोन का नेटवर्क कनेक्शन दोबारा स्थापित हो जाता है और कई छोटी नेटवर्क समस्याएं ठीक हो सकती हैं।

एयरप्लेन मोड ऑन-ऑफ़ करें

फ़ोन में एयरप्लेन मोड कुछ सेकंड के लिए ऑन करें और फिर इसे ऑफ़ करें।। ऐसा करने से मोबाइल नेटवर्क दोबारा कनेक्ट हो जाता है।

सॉफ़्टवेयर अपडेट चेक करें

शब्दकोशऔर विश्वकोश

फ़ोन में उपलब्ध सॉफ़्टवेयर अपडेट समय-समय पर चेक करते रहे हैं। इसके अलावा, आपके फ़ोन में करियर सेटिंग्स अपडेट का विकल्प उपलब्ध है, तो जांच जरूरी है।

नेटवर्क सेटिंग्स रीसेट करें

यदि लगातार समस्या बनी हुई है, तो नेटवर्क सेटिंग्स रीसेट करने का ऑप्शन ट्राई कर सकते हैं। इससे नेटवर्क संबंधित जुड़ी गलत या खराब सेटिंग्स दोबारा डिफ़ॉल्ट स्थिति में आ सकती हैं। लेकिन नेटवर्क सेटिंग्स रीसेट करने से सेव किए गए वॉर्ड-फ़ाई नेटवर्क और कुछ अन्य नेटवर्क संबंधी सेटिंग्स हट सकती हैं।

ये हैं भारत के सबसे खास इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्ग रेंज, स्मार्ट फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक इलेक्ट्रिक स्कूटर को केवल छोटे सफ़र और कम खर्च वाले विकल्प के तौर पर देखा जाता था, लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज के आधुनिक ई-स्कूटर्स शानदार रेंज, दमदार परफॉर्मेंस, एडवांस टेक्नोलॉजी और प्रीमियम डिजाइन के साथ नए दौर की मोबिलिटी को परिभाषित कर रहे हैं। यही वजह है कि लगजरी सेगमेंट में भी इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में बढ़ रही है प्रीमियम सेगमेंट की मांग

अब ग्राहक केवल कम खर्च में सफ़र करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन नहीं खरीद रहे हैं, बल्कि वे ऐसी मशीन चाहते हैं जो स्टाइल, टेक्नोलॉजी और आराम का बेहतरीन मिश्रण पेश करे। कई कंपनियां ऐसे हाई-एंड इलेक्ट्रिक स्कूटर्स बाजार में उतार रही हैं, जिनकी कीमत लाखों रुपये में है और फीचर्स किसी प्रीमियम कार से कम नहीं हैं। अगर भारत के सबसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर की बात करें तो BMW CE 04 इस सूची में सबसे ऊपर नजर आता है। इसका डिजाइन पारंपरिक स्कूटरों से बिल्कुल अलग है और पहली नजर में ही यह प्यूचरिस्टिक लुक का एहसास कराता है।

इसमें बैटरी को नीचे की तरफ लगाया गया है, जिससे स्कूटर का संतुलन बेहतर रहता है और राइडिंग अधिक स्थिर महसूस होती है। इसमें लिफ्टिड-कूल्ड इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो बेहतर प्रदर्शन देने में सक्षम है। कंपनी के मुताबिक यह स्कूटर एक बार फ़ुल चार्ज होने पर लगभग 130 किलोमीटर तक की दूरी तय कर



सकता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत करीब 15.25 लाख रुपये है।

BMW CE 02: शहर की सड़कों के लिए

स्टाइलिश EV-जो लोग BMW ब्रांड का अनुभव लेना चाहते हैं, लेकिन अपेक्षाकृत कम कीमत वाला विकल्प तलाश रहे हैं, उनके लिए BMW CE 02 एक बेहतरीन विकल्प बन सकता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को विशेष रूप से शहरी यात्राओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें करीब 15 bhp की पावर मिलती है। साथ ही पेलो, सर्फ और प्लैश जैसे अलग-अलग राइडिंग मोड, कीलेस एक्सेस, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और रिवर्स असिस्ट जैसी सुविधाएं इसे आधुनिक बनाती हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत लगभग 4.49 लाख रुपये है।

TVS X: स्मार्ट टेक्नोलॉजी से लैस फ्लैगशिप स्कूटर–प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में TVS X ने भी अपनी खास पहचान बनाई है। यह कंपनी का फ्लैगशिप ई-स्कूटर है, जिसमें आधुनिक तकनीक और आकर्षक डिजाइन का शानदार मेल देखने को मिलता है।

इसमें 4.4 kWh की बैटरी और 11 kW की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर एक बार चार्ज करने पर करीब 140 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। नेविगेशन, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी और स्मार्ट इम्पेमेंटेंट सिस्टम जैसे फीचर्स इसे टैक-लवर्स के लिए आकर्षक बनाते हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत लगभग 2.66 लाख रुपये है।

सुजुकी ई-एक्सेस :रोजमर्रा की जरूरतों के लिए शानदार विकल्प

जो ग्राहक आरामदायक और व्यावहारिक इलेक्ट्रिक स्कूटर चाहते हैं, उनके लिए सुजुकी ई-एक्सेस एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। इसका डिजाइन सादगी और आकर्षण का बेहतरीन संतुलन पेश करता है।

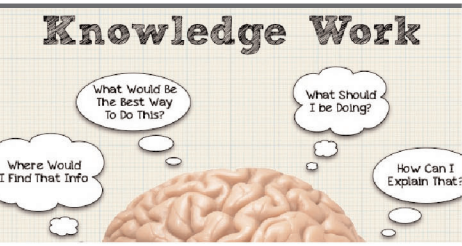
इस स्कूटर में प्रंट डिस्क ब्रेक, टेलीस्कोपिक प्रंट स्स्पेंशन और स्ट्राइलिश अलॉय व्हेल्स दिए गए हैं, जो बेहतर हैंडलिंग और आरामदायक सफ़र सुनिश्चित करते हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत लगभग 1.88 लाख रुपये रखी गई है।

आपके लिए कौन-सा प्रीमियम EV रहेगा सही?

अगर आप सबसे अलग दिखने वाला लगजरी और एक्सेक्यूटिव इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदना चाहते हैं तो BMW CE 04 आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। वहीं BMW ब्रांड का अपेक्षाकृत किफायती अनुभव लेने के लिए CE 02 उपयुक्त रहेगा। अगर आपकी प्राथमिकता लंबी रेंज, स्मार्ट फीचर्स और कनेक्टेड टेक्नोलॉजी है, तो TVS X एक मजबूत दावेदार साबित हो सकता है। वहीं रोजमर्रा की जरूरतों, आरामदायक राइडिंग और भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए सुजुकी ई-एक्सेस एक व्यावहारिक विकल्प बनकर सामने आता है।



पूरब टाइम्स





जायका

घर पर स्वादिष्ट मलाई कोफ्ता और स्वाद का लें मजा, सिर्फ5 स्टेप्स में

अगर आप भी कभी खाने में कुछ खास और रेस्टी बनाना चाहते हैं, तो मलाई कोफ्ता एक बेहतरीन ऑप्शन है! ये डिश ना केवल स्वाद में लाजवाब होती है, बल्कि इसे घर पर आसानी से बनाया भी जा सकता है। जब भी किसी खास मौके पर घरवालों के लिए कुछ खास बनाना हो, मलाई कोफ्ता एक बेहतरीन चॉइस हो सकता है। तो चलिए, जानते हैं कैसे आप भी इस शाही और क्रीमी डिश को अपने घर में आसानी से बना सकते हैं!

कोफ्ते के लिए सामग्री :

पनीर – 200 ग्राम
उबले हुए आलू – 2
क्रीम – 2 बड़े चम्मच
मैदा – 2 बड़े चम्मच
कशमीरी लाल मिर्च पाउडर – 1 चम्मच
नमक – स्वादानुसार
हरी इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच
घी या तेल – तलने के लिए
ग्रेवी के लिए सामग्री :

प्याज– 1 (बारीक कटा हुआ)
टमाटर –2 (च्यूरी बना लें)
अदरक–लहसुन का पेस्ट– 1 चम्मच
हरी मिर्च – 1 (कटी हुई)
धनिया पाउडर– 1 चम्मच
जीरा – 1/2 चम्मच
क्रीम – 3 बड़े चम्मच
नमक – स्वादानुसार
शाही जीरा या गरम मसाला – 1/2 चम्मच

डी टैन फेस पैक्स से टैनिंग से मुरझाए चेहरे को चमकाएं

धूप, प्रदूषण और तनाव की वजह से चेहरे पर टैनिंग होना आम समस्या बन गई है। टैनिंग के कारण त्वचा का रंग बदल जाता है और वह मुरझाई हुई, थकी-थकी सी दिखने लगती है। लेकिन, चिंता की कोई बात नहीं! कुछ ऐसे 5 डी टैन पेस पैक्स जिनसे आपकी त्वचा फिर से चमकदार और निखरी हुई दिखेगी।

दही और हल्दी का पैक

दही और हल्दी का मिश्रण एक बेहतरीन डी टैन पैक है। दही त्वचा को नमी देता है, जबकि हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए

1 चम्मच दही

1 चुटकी हल्दी इन दोनों को अच्छे से मिव्स करें और चेहरे पर लगाएं।

15–20 मिनट तक इसे चेहरे पर लगे रहने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

टमाटर और शहद का पैक

टमाटर में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण

होते हैं जो त्वचा की टैनिंग को हल्का करने में मदद करते हैं। शहद त्वचा को नरम और मु, ल। य म बनाता है।

1 टमाटर का रस

1 चम्मच शहद

इन्हें अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। यह पैक त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाएगा।

एलोवेरा और नींबू का पैक

एलोवेरा और नींबू दोनों ही त्वचा के लिए फ़यदेमंद होते हैं। एलोवेरा से त्वचा को ठंडक मिलती है और नींबू त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।

1 चम्मच एलोवेरा जेल

1/2 चम्मच नींबू का रस इन्हें अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगाएं। 20

मिनट बाद चे हरे लें।

चंदन और गुलाब जल का पैक

चंदन त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है। गुलाब जल त्वचा को टोन करता है और उसे ताजगी देता है।

1 चम्मच चंदन पाउडर

1 चम्मच गुलाब जल इन दोनों को मिलाकर पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाकर 15–20 मिनट तक रखें। फिर चेहरे को धो लें।

ओट्स और दही का पैक

ओट्स त्वचा के एक्सफ़ोलिएट के रूप में काम करते हैं, जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करते हैं। दही त्वचा को हाइड्रेट करता है।

2 चम्मच ओट्स

1 चम्मच दही इन्हें मिव्स करके चेहरे पर अच्छे से लगाएं और 15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें।

इन 5 डी टैन फेस पैक्स का उपयोग करके आप अपनी त्वचा को टैनिंग से छुटकारा दिला सकते हैं और उसे फिर से चमकदार बना सकते हैं। इन पैक्स को नियमित रूप से लगाने से आपकी त्वचा स्वस्थ, निखरी और सुंदर नजर आएगी। ध्यान रखें कि धूप में बाहर जाते समय सनस्क्रीन का उपयोग जरूर करें ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे।

साफ और सुंदर त्वचा पाने के लिए इन नेचुरल उपायों का इस्तेमाल करें और अपनी त्वचा को फिर से खिल उठने दें!

शांत, सुंदर और सुकून भरी भारत की ये 5 अनूठी जगहें

ऐसे बहुत से लोग हैं, जो अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर किसी शांत, सुंदर और सुकून भरी जगहों पर घूमने की प्लानिंग करते हैं। लेकिन इसके साथ ही वह यह भी सोचते रहते हैं कि ऐसी कौन की जगह एक्सप्लोर की जाए, जहां पर थ्रीड्राइ कम हो। अगर आप भी ट्रिप प्लान करने से पहले यही सोचते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसी शानदार और बेहतरीन जगहों के बारे में बताते जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी जिंदगी के कुछ यादगार पल बिता सकते हैं। साथ ही यह जगहें इतनी ज्यादा खूबसूरत हैं कि यह आपका दिल जीत लेगी।



5 डेस्टिनेशन प्लेसेस

चोपता, उत्तराखंड

अगर आप पहाड़ों में सुकून ढूँढ रहे हैं, तो बता दें कि चोपता एकदम परफेक्ट जगह है। यहां पर कम भीड़ होती है। चोपता हरी-भरी घाटियां और बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच बसा है। ट्रैकिंग के शौकीन लोग यहां पर तुंगनाथ ट्रेक का भी लुफ्त उठा सकते हैं। तुंगनाथ दुनिया का सबसे ऊंचा शिव



तवांग

बौद्ध मठ, बर्फ से ढकी पहाड़ियां और तिब्बती संस्कृत का मिश्रण देखना चाहते हैं, तो आपको तवांग जाना चाहिए। तवांग मोनास्ट्री भारत की सबसे बड़ी बौद्ध मठों में से एक है। वहीं सर्दियों में तवांग एक विंटग वंडरलैंड बन जाती है। यकीनन यहां पर आने के बाद आपको सुकून



का एहसास होगा।

माजुली, असम

ब्रह्मपुत्र नदी के बीच बसा यह आइलैंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। यहां का शांत वातावरण, सत्र और लोककला आपको एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास दिलाएंगे। वहीं आप यहां जाकर अपनी जिंदगी के यादगार पल बिता सकते हैं।

बदल रहे मौसम में कैसे रखें पेट का ख्याल,इन उपायों से पाए राहत

बारे में जो आपके पाचन को बेहतर बना सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर फूड आइटम
शुगर और Oil खाने से बचें-बदलते मौसम में शुगर और तैलीय भोजन पाचन को और भी अधिक खराब कर सकते हैं। इनसे पेट में जलन, गैस, और अपच जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। तले-भुने खाद्य पदार्थों से बचें और हल्का भोजन करें।

हल्दी का सेवन-हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट के विकारों को दूर करते हैं। यह पाचन तंत्र को साफ और मजबूत करता है। हल्दी का एक चम्मच शहद के साथ लेने से पेट के संक्रमण और सूजन में राहत मिलती है। आप इसे दूध में डालकर भी पी सकते हैं।

ताजे फल और सब्जियां-ताजे फल और सब्जियां पाचन के लिए बहुत फ़यदेमंद हैं। इनमें विटामिन, मिनरल्स और फ़ाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। इनमें से खासतौर पर सेब, गाजर, और पालक को अपनी डाइट में शामिल करें। ये न केवल पेट को साफ करते हैं, बल्कि शरीर को भी पोषण प्रदान करते हैं।

केले-केले में पेक्टिन नामक फ़ाइबर होता है, जो



कार्बोहाइड्रेट के पाचन को नियंत्रित करता है। यह आंत के लिए भी लाभकारी होता है, क्योंकि इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंत के स्वास्थ्य के लिए बहुत फ़यदेमंद है।

ओट्स-ओट्स में फ़ाइबर की अच्छी मात्रा होती है और इसमें कैलोरी कम होती है। ओट्स पाचन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करते हैं और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। ओट्स में फ़ाय्बरस,

विटामिन ई और जिंक भी पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं।

दही-दही का सेवन पेट की खराबी में राहत देने वाला घरेलू उपाय है। यह प्रोबायोटिक्स का एक समृद्ध स्रोत है, जो आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। इससे पाचन आसान होता है और पेट की समस्याएं कम होती हैं।

अदरक-अदरक का उपयोग पेट की समस्याओं जैसे सूजन, मतली और दस्त में किया जा सकता है। यह भोजन को पेट से आंतों तक जल्दी पहुंचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

पुदीना-पुदीना अपच के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। इसे आप सलाद और फलों में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। पुदीना पाचन को ठीक करने में

सहायक है और पेट में आराम पहुंचाता है।

हर्बल चाय का सेवन-हर्बल चाय, जैसे पुदीना, अदरक, और कैमोमाइल चाय, पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। ये चाय शरीर को आराम देती हैं और पेट में सूजन, गैस, या दस्त को कम करती हैं। आप इन्हें दिन में एक से दो बार ले सकते हैं।

स्वस्थ आहार और लाइफ़स्टाइल
 खाने का समय और तरीका भी पाचन पर असर डालते हैं। सही समय पर भोजन और हल्का भोजन पाचन को बेहतर बनाता है।

व्यायाम और योग: हर रोज व्यायाम करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट संबंधी समस्याएं कम होती हैं। योग भी पेट के लिए फ़यदेमंद होता है। यहां दी गई जानकारी केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से है और किसी भी इलाज की पुष्टि नहीं करती है। किसी भी उपाय को अपनाने से पहले कृपया संबंधित विशेषज्ञ से सलाह लें।



बच्चों को हार्ट अटैक क्यों आते हैं, क्या बच्चे की Body देती है संकेत

हार्ट अटैक के मामले इन दिनों काफी ज्यादा सुनने को मिल रहे हैं, जिसमें बच्चे भी शामिल हैं लेकिन छोटे व टीएन बच्चे हार्ट अटैक के शिकार क्यों हो रहे हैं। कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र में 14 साल के बच्चे को हार्ट अटैक आ गया वो भी उस समय जब वह स्कूल ट्रिप के दौरान पार्क में था। जानकारी के मुताबिक, बच्चे को अचानक सीने में दर्द, बेचेनी हुई और वह गिर पड़ा। ऐसे और भी बहुत सारे मामले सामने आए हैं लेकिन यहां सवाल यह है कि बच्चों को अब हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

बच्चों में दिखने वाले हार्ट अटैक के लक्षण

बच्चे को सीने में भारीपन-दर्द महसूस हो रहा हो तो नजर अंदाज ना करें। फ़िजिकल एक्टिविटी के दौरान दर्द महसूस हो तो तुरंत डॉक्टरी संपर्क करे क्योंकि कुछ लोग इसे गैस का दर्द समझ कर लापरवाही बरत देते हैं। हार्ट अटैक होने का कारण, छोटे बच्चों में हॉटों के आस-पास नीले निशान होना। बच्चे के होंट, उंगलियां और त्वचा नीली पड़ रही है ऐसा तब होता है जब दिल सही मात्रा में ब्लड पंप नहीं कर पाता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी महसूस होती है।

छोटी उम्र में हार्ट अटैक आने के कारण

छोटी उम्र में हार्ट अटैक आने के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। खराब लाइफ़स्टाइल, तनाव,अनहेल्दी फ़ूड्स। एक्सपर्ट की मानें तो ऐसा होने का कोई एक स्टीक कारण बता पाना मुश्किल है हालांकि इसकी वजह खराब लाइफ़स्टाइल को माना जा सकता है। बच्चों का खान-पान लगातार खराब अनहेल्दी होता जा रहा है और फ़िजिकल एक्टिविटी ना के बराबर। बॉडी एक्टिविटी में कमी होने से भी हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ता है मोबाइल, टीवी और ऑनलाइन क्लासेज में धंसे बच्चों की फ़िजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो गई है जिसके चलते मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज जैसी प्रॉब्लम बचपन में ही चपेट में ले रही हैं और यही समस्या हार्ट अटैक के जोखिम को



बढ़ा रही है।

जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड-खान-पान में वेस्टर्न कल्चर फ़ॉलो होना भी हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ा रहा है। जंक, फ़ास्ट और प्रोसेस्ड फूड का सेवन बच्चे अधिक कर रहे हैं। इनमें ट्रॉस फैट, बहुत ज्यादा शुगर और नम होता है जो दिल की धमनियों को कमजोर करते हैं और यह हार्ट अटैक जोखिम बढ़ाता है। हार्ट अटैक से बचाव के लिए बच्चों की जीवन शैली और खान-पान पर खास ध्यान देना जरूरी है। नियमित रूप में उनकी डाइट में संतुलित

और पोषण आहार शामिल होना जरूरी है। शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम में शामिल करें।

बच्चों में हार्ट अटैक को कैसे कंट्रोल करें

पेरेंट्स सबसे पहले तो दिखने वाले लक्षणों को तुरंत समझें और डॉक्टरी जांच करवाएं। बच्चा घबराहट महसूस कर रहा है, चलने में सांस ज्यादा फूल रही है तो तुरंत मेडिकल जांच कराएं।

-जन्म के समय ही बच्चे के दिल की जांच कराएं।

-खान-पान हैल्दी रखें और मोटापा कंट्रोल।

फ़िजिकल एक्टिविटी जरूर करवाएं। आउटडोर गेम्स, सैर, योग जैसी एक्टिविटी करवाएं।

स्वस्थ हृदय के लिए बच्चों की डाइट में क्या शामिल करें?

बचपन से ही हृदय को स्वस्थ बनाए रखना बहुत जरूरी है। एक संतुलित आहार न केवल बच्चे के संपूर्ण विकास में सहायक होता है बल्कि हृदय रोगों के जोखिम को भी कम करता है। बच्चों के दिल को मजबूत और सेहतमंद बनाए रखने के लिए उनके आहार में ये चीजें जरूर शामिल करें।

-फ़ल और सब्जियां सेब, संतरा, केला, बेरीज – एंटीऑक्सीडेंट और फ़ाइबर से भरपूर होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखते हैं।

क्यों आते हैं बुरे सपने और क्या हैं कारण? जानें, कैसे पाये छुटकारा

रात में अचानक डरावने सपनों से नींद खुल जाना कई लोगों के लिए आम बात है। लेकिन जब ये बुरे सपने बार-बार आने लगें, नींद तोड़ दें और दिनभर बेचेनी या थकान महसूस हो, तो यह सामान्य नहीं है। इसे नाइटमैयर डिसऑर्डर कहा जाता है। इसके पीछे तनाव, अनियमित नींद या मानसिक परेशानी जैसे कारण हो सकते हैं। सही रूटीन और विशेषज्ञ की सलाह से इनसे राहत पाई जा सकती है।

क्या होता है नाइटमैयर डिसऑर्डर? नाइटमैयर डिसऑर्डर वह स्थिति है जब डरावने सपने बार-बार आते हैं, व्यक्ति नींद में डरकर उठ जाता है और उसे सपने की पूरी तस्वीर याद रहती है।अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन के मुताबिक, करीब 4% वयस्क लोग इस समस्या से प्रभावित हैं।

नाइटमैयर और नाइट टेरर में फ़र्क
 नाइटमैयर: यह हल्की नींद में आते हैं और इंसान को पूरी तरह याद रहते हैं।

नाइट टेरर: यह गहरी नींद में होते हैं, जिनमें व्यक्ति चिल्ला सकता है या डर सकता है, लेकिन बाद में कुछ याद नहीं रहता।

बुरे सपनों के कारण

बुरे सपनों के पीछे कई मनोवैज्ञानिक और शारीरिक कारण हो सकते हैं। अक्सर यह तनाव और चिंता (Stress & An&iety) से जुड़ा होता है, जब दिमाग दिनभर की टेंशन को नींद में भी प्रोसेस करता रहता है। ट्रॉमा या क्लस्टर डोल



चुके लोगों में डरावने सपने ज्यादा आते हैं क्योंकि दिमाग बीते अनुभवों को दोहराता है। छिप्रेशन या मानसिक अस्थिरता भी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। कुछ दवाइयों के दुष्प्रभाव, शराब या नशे का सेवन, और अनियमित नींद का पैटर्न भी बुरे सपनों की संभावना बढ़ा देते हैं।

क्या होता है असर?

बार-बार आने वाले नाइटमैयर्स भले ही शरीर को सीधा नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन ये धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। लगातार डरावने सपनों की वजह से व्यक्ति दिनभर थका, चिड़चिड़ापन और मूड स्विंग का अनुभव कर सकता है। नींद पूरी न होने से ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और डर या बेचैनी की भावना बनी रहती है। लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहे तो यह मेंटल हेल्थ को कमजोर कर सकती है और गंभीर मामलों में आत्मघाती विचारों

की संभावना भी बढ़ सकती है।

नींद का तय समय रखें: रोज एक ही समय पर सोएं और उठें।

सोने से पहले रिलैक्स करें: ध्यान, हल्का संगीत या किताब पढ़ें।

डरावनी चीज़ न देखें: रात में हॉरर कंटेंट या तनाव देने वाली बातें न करें।

भारी भोजन या शराब से बचें: खासकर सोने से कुछ घंटे पहले।

इमेज रिहर्सल थेरेपी अपनाएं: अपने डरावने सपने का "अच्छा अंत" सोचकर उसकी कल्पना करें। इससे दिमाग उस भय को कम करता है।

डॉक्टर से कब मिलें?

अगर बुरे सपने हफ्ते में कई बार आने लगें, लंबे समय तक बने रहें या किसी ट्रॉमा और मानसिक सदमे से जुड़े हों, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसी तरह अगर नींद के दौरान चिल्लाना, हाथ-पांव मारना या सांस रुकने जैसी समस्या दिखे, तो यह किसी गंभीर स्लीप डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत स्लीप स्पेशलिस्ट या मनोचिकित्सक से संपर्क करना जरूरी है, ताकि सही कारण पता चल सके और समय पर इलाज मिल सके।

कभी-कभी बुरे सपने आना सामान्य है, लेकिन अगर ये आपकी नींद या मन की शांति छीन रहे हैं तो इसे हल्के में न लें। सही नींद का रूटीन, मानसिक शांति और विशेषज्ञ की सलाह से नाइटमैयर्स पर काबू पाया जा सकता है।

सार – संक्षेप

DM दफ्तर परिसर में बनी मस्जिद पर चला बुलडोजर

उत्तर प्रदेश। सहारनपुर जिले में प्रशासनिक कार्रवाई के तहत डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (DM) कार्यालय परिसर के भीतर बनी एक मस्जिद को रात भर चले ऑपरेशन में गिरा दिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई, जिसमें मस्जिद को सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण करार दिया गया था। इसके साथ ही मस्जिद कमेटी पर करीब 6.41 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया गया है।समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने बाद में दावा किया कि उन्हें कैराना स्थित उनके घर पर नज़रबंद कर दिया गया था।कैराना लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली हसन ने कहा कि जब वह मस्जिद गिराए जाने के मामले पर अधिकारियों से मिलने और इलाके के लोगों की चिंताएं उठाने के लिए सहारनपुर जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी भारी पुलिस बल उनके घर पहुंचा।

मेलोनी के नाम इटली की सबसे लंबे समय तक पीएम रहने की उपलब्धि

रोम । जॉर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली सरकार इटली गणराज्य के युद्धोत्तर इतिहास की सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार बन गई है। उसने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जॉर्जिया मेलोनी ने 22 अक्टूबर 2022 को इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में पद संभाला था। उनकी सरकार अब तक 1,413 दिन पूरे कर चुकी है। इस उपलब्धि पर मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एव’स’ पर खुशी जताई और इसे आभार तथा जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वीकार किया।

भारत की डिफेंस कंपनी से डील में हुई एक चूक, डिफेंस मिनिस्टर हेनो बेवकको ने रिस्पासिबिलिटी ली, दिया इस्तीफा

एक तरफ रूस यूक्रेन की जंग चल रही है और दूसरी तरफ यूक्रेन को रूस के खिलाफ मदद पहुंचाने यानी कि गोला बारूद पहुंचाने के चक्कर में यूरोप के एक छोटे से देश के रक्षा मंत्री को अपनी कुर्सी छोड़नी पड़ गई।

दरअसल यह पुरा मामला करीब 70 मिलियन यूरो यानी 768 करोड़ से ज्यादा की एक एमिनेशन डील का है और इस पूरे विवाद के बीच नाम आया है भारत की स्वामित्व वाली एक डिफेंस कंपनी का और आरोप यह नहीं है कि भारतीय कंपनी ने कोई घोटाला किया बल्कि विवाद इस बात को लेकर है कि यूरोप के इस छोटे से देश एस्टोनिया ने आखिर ऐसी कंपनी से इतनी बड़ी डिफेंस डील क्यों की जिसका आर्टिलरी शेल बेचने का पहले कोई स्थापित रिकॉर्ड नहीं था। करोड़ों रुपए एडवांस में दिए गए गोला बारूद समय पर



नहीं पहुंचा। जो सामान पहुंचा उसकी क्वालिटी पर सवाल उठे। कॉन्ट्रैक्ट खत्म हुआ और अब पैसा वापस लेने के लिए कानूनी लड़ाई चल रही है। इसके बाद हुआ यह कि एस्टोनिया के डिफेंस मिनिस्टर हेनो बेवकको ने पॉलिटिकल रिस्पासिबिलिटी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। आखिर इस डील में हुआ क्या था?

कहानी शुरू होती है साल 2024 से। उस समय यूक्रेन को आर्टिलरी एमिनेशन की भारी जरूरत थी। रूस के साथ युद्ध लंबा खींच चुका था और यूक्रेन लगातार पश्चिमी देशों से गोला बारूद की मांग कर रहा था। एस्टोनिया भी यूक्रेन का खुलकर समर्थन कर रहा था और उसकी कोशिश थी कि ज्यादा से ज्यादा एमिनेशन यूक्रेन तक पहुंचाया जाए। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एस्टोनिया के सेंटर फॉर डिफेंस इन्वेस्टमेंट यानी आरकेआईई ने एक कंपनी के साथ आर्टिलरी शेल की सप्लाई के लिए कॉन्ट्रैक्ट किए। यह कंपनी डाटा सेल एसआरएल जो इटली में

रजिस्टर्ड थी। लेकिन इस कहानी में भारत की एंट्री यहीं से हुई। डाटा सेल को मार्च 2024 में भारत की नेको डिफेंस मिनिशन ने एक्वायर कर लिया था। यानी कंपनी इटली में रजिस्टर्ड थी लेकिन उसका मालिकाना हक अब भारतीय कंपनी के पास आ गया था। और सबसे बड़ा सवाल यहीं से पैदा हुआ। रिपोटर्स के मुताबिक डाटा सेल के पास आर्टिलरी शेल बेचने का कोई स्थापित पिछला रिकॉर्ड नहीं था। यानी एस्टोनिया ने जिस कंपनी को इतने बड़े एमिनेशन कॉन्ट्रैक्ट के लिए चुना वो इस क्षेत्र में पहले से कोई बड़ा जाना पहचाना सप्लायर नहीं थी। अब एस्टोनिया ने इस डील में करीब 70 मिलियन यूरो यानी 768 करोड़ से ज्यादा की रकम एडवांस में दे दी। पहले डील अगस्त 2024 में हुई और करीब 15 मिलियन यूरो का एडवांस दिया गया।

दार्चुला ज़िला प्रशासन की चेतावनी - भूस्खलन होने से नदी पूरी तरह से बंद हो सकती है, निचले इलाकों में अलर्ट जारी

नेपाल में प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दार्चुला जिले में हुए एक भीषण भूस्खलन के कारण चौलानी नदी (चमेलिया नदी) का बहाव आंशिक रूप से रुक गया है। मलबे के कारण नदी का रास्ता बाधित होने से प्रशासन ने अचानक बाढ़ (प्लेंश फ्लड) आने की गंभीर आशंका जताई है और तटीय इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। यह भूस्खलन एपी हिमाल ग्रामीण नगरपालिका के भट्टार इलाके में हुआ, जिससे भारी मात्रा में मलबा नदी में गिर गया और उसका बहाव बाधित हो गया।



नदी के किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और ज़रूरी सावधानी बरतने को कहा गया है। संवेदनशील इलाकों में लोगों को जानकारी देने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

सुदूरपश्चिम के मुख्यमंत्री खगराज भट्टा ने स्थानीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी संभावित आपात स्थिति के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने बाढ़ और आपदा से जुड़ी मदद के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर भी जारी किए हैं। अर्माई पुलिस फ़ोर्स ने कहा कि चौलानी नदी अभी सामान्य स्तर पर बह रही है। हालांकि, स्थिति पर नज़र रखने और ज़रूरत पड़ने पर आस-पास के समुदायों को चेतावनी देने के लिए बाल्च स्थित नेपाल चमेलिया

जलविद्युत सुरक्षा बेस के कर्मियों को तैनात किया गया है। चौलानी नदी, जिसे चमेलिया के नाम से भी जाना जाता है, एपी हिमाल क्षेत्र से निकलती है और अंत में महाकाली नदी में मिल जाती है, जो नेपाल-भारत सीमा का हिस्सा है।

अफ्रीका के संशोधन प्रस्ताव को भारी बहुमत मिलने के बाद बदल गया दुनिया का 450 साल पुराना नक्शा

दुनिया का नक्शा अब बदलने जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र (UN) ने एक ऐतिहासिक फैसले में नए विश्व मानचित्र को अपनी औपचारिक मंजूरी दे दी है। इस नए मैप में अब अफ्रीका महाद्वीप को उसके असली और सटीक भौगोलिक आकार में दिखाया जाएगा। यूएन में पेश किए गए ‘क्रैक द मैप’ प्रस्ताव पर हुई वोटिंग के दौरान 164 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया।



वहीं, अमेरिका ने इस बदलाव का विरोध किया, जबकि छह अन्य सदस्य देशों ने भी इस प्रस्ताव पर अपनी अलग राय दर्ज कराई। गौरतलब है कि सदियों से इस्तेमाल हो रहे पारंपरिक नक्शों में अफ्रीका का आकार वास्तविक क्षेत्रफल से काफी छोटा दिखाया जाता रहा है। अफ्रीका द्वारा रखे गए इस संशोधन प्रस्ताव को भारी

बहुमत मिलने के बाद अब वैश्विक पटल पर दुनिया का सही भौगोलिक अनुपात अधिकारिक रूप से स्थापित होगा। रिजॉल्यूशन के अनुसार, इक्वल अर्थ कार्टोग्राफ़िक प्रोजेक्शन के नाम से जाना जाने वाला यह मैप, दुनिया के कार्टोग्राफ़िक चित्रण की सटीकता को बेहतर बनाने के लिए बनाया गया है।

इसे भी पढ़ें: नयी दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेर्रेस टोगो अधिक सटीक विश्व मानचित्र का समर्थन करता है टोगो ने इस प्रस्ताव को प्रायोजित किया, ने कहा कि मानचित्र लोगों के विश्व को समझने के तरीके को आकार दे सकते हैं। विदेश मंत्री रॉबर्ट डब्लू ने कहा कि मानचित्र शिक्षा का मार्गदर्शन करते हैं, कल्पना को पोषित करते हैं और सामूहिक धारणाओं को प्रभावित करते हैं। इसलिए वे कभी तटस्थ नहीं होते, जब वे हमारे ग्रह की विकृत छवि प्रस्तुत करते हैं, तो वे गलत प्रतिनिधित्व को बनाए रखने का जोखिम उठाते हैं जो पीढ़ियों तक चला जाता है।

रॉक चेक डैम स्थानीय किसानों के लिए वरदान साबित हुआ, वहीं दूसरी तरफ पड़ोसी देश पाकिस्तान को भी मजबूत रणनीतिक संदेश दिया

सिंधु जल संधि को फिहाल स्थगित रखे जाने के बीच भारत ने लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में सिंधु नदी के पानी का बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। लेह के उपशी में सिंधु नदी पर भारत का पहला ‘रॉक चेक डैम’ बनकर तैयार हो गया है। यह कदम जहां एक तरफस्थानीय किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है, वहीं दूसरी तरफपड़ोसी देश पाकिस्तान को भी एक मजबूत रणनीतिक संदेश दे रहा है। पूरी तरह से प्राकृतिक पथरों से और बिना सीमेंट के इस्तेमाल से बनाए गए इस रॉक चेक डैम ने क्षेत्र में पानी का जलस्तर लगभग 10 फीट तक बढ़ा दिया है। जिससे किसान उन खेतों की सिंचाई कर पा रहे हैं, जिन्हें वसंत ऋतु में बुवाई के समय लंबे समय से पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा था। सालों तक, स्थानीय किसानों को फसल उगाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि वसंत ऋतु में बुवाई के समय सिंधु नदी गहरी घाटियों से होकर बहुत नीचे बहती थी, जिससे पंपों से पानी निकालना



मुश्किल होता था। सिंधु नदी के पानी के इस्तेमाल पर पाबंदियों और पानी की इस कमी ने खेती की जमीन को सूखा बना दिया था और किसान समुदाय की आर्थिक हालत खराब कर दी थी। नया डैम लगभग 40 मिलियन लीटर पानी जमा करता है और झूफे सिंचाई नहर के ज़रिए सूखे गांवों के खेतों तक पानी पहुंचाता है। स्थानीय खेती में मदद करने के अलावा, यह प्रोजेक्ट पाकिस्तान को एक मजबूत रणनीतिक संदेश भी देता है।

भारत द्वारा सिंधु जल संधि को फिहाल उठे बस्ते में डालने के बाद, यह प्रोजेक्ट दिखाता है कि भारत अब सीमावर्ती इलाकों में सिंधु नदी के पानी का इस्तेमाल करने और नदी के पाकिस्तान की ओर बहने से पहले अपने समुदायों की मदद करने के लिए सक्रिय रूप से बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है। लद्दाख प्रशासन अब सिंधु नदी पर ऐसे और चेक डैम बनाने पर काम कर रहा है; कुछ जगहों पर काम चल रहा है और कई अन्य प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं। लद्दाख प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश में 36 चेक डैम प्रोजेक्ट बनाने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को एक प्रस्ताव सौंपा है, जिसका मकसद पानी की सुरक्षा को मजबूत करना और सिंचाई की क्षमता को बढ़ाना है। इस प्रस्ताव में लेह इलाके में सात हिमालयन रॉक चेक डैम और करगिल इलाके में 29 चेक डैम या वियर (छोटी बांध संरचनाएं) शामिल हैं, जिनकी अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता हमने ‘सनातन धर्म’ में यही सीखा-अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िला मजिस्ट्रेट कलेक्ट्रेट परिसर में बनी एक मस्जिद को अदालत के आदेश के बाद गिरा दिया गया। यह कार्रवाई सुबह-सुबह की गई, जिसके बाद सभी पार्टियों की ओर से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। जो लोग दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते।



यादव ने हुंकार भरते हुए कहा कि एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता; हमने ‘सनातन धर्म’ में यही सीखा है... सच्चे सनातनी वे लोग हैं जो सद्भाव को महत्व देते हैं; सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता सद्भाव होनी चाहिए। क्या कोई मुझे बता सकता है कि ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे भगवान श्री राम के लिए आए फंड की चोरी करते

हुए पकड़े गए थे... हर कोई जानता है कि इसमें बीजेपी के सदस्य शामिल थे। स्फुट्ट बनाने और लोगों को जेल भेजने के कदम ने उनकी असलियत सबके सामने ला दी। अखिलेश ने कहा कि जनता अब समझ गई है कि वे किस तरह के लोग हैं। इसीलिए वे जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। क्या हाई कोर्ट में न्याय नहीं मिल सकता था? क्या वे सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं कर सकते थे? अधिकारियों ने सरकार के कहने पर यह कार्रवाई की, ताकि उन्हें ऊपरी

अदालत से न्याय न मिल सके... आप लोगों से न्याय का अधिकार छीन रहे हैं; इसीलिए मैंने कहा कि अब सिर्फ़ सो दिन बचे हैं। यह तोड़-फेंड़ की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश और उसके बाद जिला अदालत के फैसले के बाद की गई। गुरुवार को, जिला जज सतेन्द्र कुमार ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी और सिटी मजिस्ट्रेट के 16 जुलाई, 2026 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें विवादित जमीन को सरकारी संपत्ति माना गया था। अदालत के फैसले के बाद, प्रशासन ने शुक्रवार देर रात मस्जिद को सील कर दिया और अगली सुबह उस हिस्से को हटाना शुरू कर दिया जिसे सरकारी जमीन पर बना हुआ माना गया था। मौके पर एक एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट और नगर निगम की टीम मौजूद थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10 से ज्यादा पुलिस थानों की पुलिस के साथ-साथ प्रोविशियल अर्माई कांस्टेबुलरी (PAC) को भी तैनात किया गया था।

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वावा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

- 1. नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
- 2. सेक्टर-1 अवेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

बौद्ध धर्म एक गैर आस्तिक धर्म है

में से एक, धम्मपद के चार छंदों में संक्षेपित किया जा सकता है:हमारा जीवन हमारे मन से बनता है ; हम जैसा सोचते हैं वैसा बन जाते हैं। दुख एक बुरे विचार का अनुसरण करता है जैसे गाड़ी के पहिये उसे खींचने वाले बैलों का अनुसरण करते हैं। हमारा जीवन हमारे मन से बनता है ; हम जैसा सोचते हैं वैसा बन जाते हैं। आनंद शुद्ध विचार का उस छाया की तरह अनुसरण करता है जो कभी नहीं छूटती

इच्छा से दुःख उत्पन्न होता है, इच्छा से भय उत्पन्न होता है।जो इच्छा से मुक्त है वह न तो दुःख जानता है और न ही भय। कामना की वस्तुओं के प्रति आसक्ति दुःख लाती है, कामना की वस्तुओं के प्रति आसक्ति दुःख लाती है।जो आसक्ति से मुक्त है वह न तो दुःख जानता है और न ही भय (XVI.1212–213)

बुद्ध को यह समझ में आ गया कि इच्छा और आसक्ति दुःख का कारण बनते हैं तथा मनुष्य कष्ट भोगता है क्योंकि वह अस्तित्व की वास्तविक प्रकृति से अनभिज्ञ है।लोग जीवन के स्थायी होने पर जोर देते हैं और परिवर्तन का विरोध करते हैं ; जिसे वे जानते हैं उससे चिपके रहते हैं और जो खो देते हैं, उसका शोक मनाते हैं। बिना कष्ट के जीने के साधन की तलाश में, बुद्ध ने यह जाना कि जीवन निरंतर परिवर्तन है, कुछ भी स्थायी नहीं है और व्यक्ति आध्यात्मिक अनुशासन के माध्यम से आंतरिक शांति पा सकता है। आध्यात्मिक अनुशासन जीवन की क्षणभंगुरता में सुंदरता को पहचानता है और साथ ही मनुष्य को अनित्य वस्तुओं, लोगों और

स्थितियों के प्रति लगाव में फंसेने से भी रोकता है।उनकी शिक्षाएं , जो बौद्ध विचार की नींव हैं; चार महान सत्य, बनने का पहिया और अष्टांगिक मार्ग पर केंद्रित हैं । यही बौद्ध ध र्म है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-छठी और पांचवी शताब्दी ईसा पूर्व ,जब भारत में धार्मिक और दार्शनिक सुधार की लहर चल रही थी, तब लोगों की हिंदू धर्म (सनातन धर्म, "सनातन व्यवस्था") में प्रमुख आस्था थी।विद्वान जॉन एम. कोह्लर के अनुसार कृषि जीवन से लेकर ,शहरी व्यापार और विनिर्माण तक एक बहुत बड़ा सामाजिक परिवर्तन चल रहा था, जिससे पुराने मूल्यों, विचारों और संस्थानों पर सवाल उठने लगे (46) ।हिंदू धर्म वेदों के रूप में जाने जाने वाले



ग्रंथों की स्वीकृति पर आधारित था, जिन्हें ब्रह्मांड की शाश्वत उत्पत्ति माना जाता था।ऐसा माना जाता था कि वेदों की रचना किसी व्यक्ति ने नहीं की थी बल्कि उन्हें अतीत में एक निश्चित समय पर ऋषियों द्वारा "सुना" गया था। हिंदू पुजारियों ने उन वेदों को संस्कृत भाषा में प्राप्त किया और लोगों को सुनाया, एक ऐसी भाषा जिसे लोग नहीं समझते थे। उस समय के विभिन्न दार्शनिक विचारकों ने इस प्रथा और विश्वास संरचना की वैधता पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

कहा जाता है कि इस समय में दर्शनशास्त्र की कई अलग-अलग विचार प्रणालियाँ विकसित हुईं (जिनमें से अधिकांश जीवित नहीं रही) जिन्होंने या तो वेदों के अधिकार को स्वीकार किया या अस्वीकार कर दिया।जो लोग रुढ़िवादी हिंदू दृष्टिकोण और परिणामी प्रथाओं को स्वीकार करते थे उन्हें आस्तिक (वह मौजूद है) के रूप में जाना जाता था और जो लोग रुढ़िवादी दृष्टिकोण को खारिज करते थे उन्हें नास्तिक (वह मौजूद नहीं है) के रूप में जाना जाता था। इस काल में जीवित रह जाने वाले नास्तिक विचारधारा के तीन पंथ थे चार्वाक, जैन धर्म और बौद्ध धर्म।

बुद्ध ने माना कि ये दोनों रास्ते चरम सीमाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके बीच का एक मार्ग पाया और उन्होंने उसे " मध्य मार्ग" का नाम दिया। बुद्ध ने माना कि चार्वाक और जैन धर्म दोनों ही चरम सीमाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक अलग मार्ग खोजा और उसे"मध्य मार्ग" का नाम दिया। हिंदू धर्म का मानना ​​था कि एक सर्वोच्च

व्यक्ति है जो इस ब्रह्मांड को नियंत्रित कर रहा है । उसे ब्रह्मण्य के रूप में जाना जाता है और जो स्वयं ब्रह्मांड है। यही वह व्यक्ति है जिसने मानवता को वेदों की शिक्षा दी थी। मनुष्य के जीवन का उद्देश्य निर्धारित ईश्वरीय आदेश के अनुसार जीना और उचित कर्म के साथ अनाया धर्म (कल्या) निभाना है ताकि अंततः उसे पुनर्जन्म और मृत्यु (संसार) के चक्र से मुक्ति मिल सके ; जिस बिंदु पर व्यक्तिगत आत्मा ओवरसोल (परम आत्मा) के साथ मिलन प्राप्त कर ,पूर्ण मुक्ति और शांति का अनुभव कर सकेगी।

चार्वाक ने इस विश्वास को अस्वीकार कर दिया और इसके स्थान पर भौतिकवाद की पेशकश की। इसके संस्थापक, बृहस्पति (एल. सी. 600 ईसा पूर्व) ने दावा किया कि लोगों के लिए हिंदू पुजारियों की इस बात को स्वीकार करना हास्यास्पद था कि एक ऐसी भाषा ,जो लोगों की समझ से बाहर है, भगवान का शब्द है ।

उन्होंने सत्य का पता लगाने और आनंद को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मान कर उसकी खोज के लिए , प्रत्यक्ष धारणा के आधार पर एक विचार धारा की स्थापना की।महावीर (जिन्हें वर्धमान के नाम से भी जाना जाता है, 599–527 ईसा पूर्व) ने इस विश्वास के आधार पर जैन धर्म का प्रचार किया कि व्यक्तिगत अनुशासन और नैतिक संहिता के सख्त पालन से बेहतर जीवन मिलता है और मृत्यु के बाद संसार से मुक्ति मिलती है।बुद्ध ने माना कि ये दोनों रास्ते चरम सीमाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके बीच का एक मार्ग पाया और उन्होंने उसे " मध्य मार्ग" का नाम दिया।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 57 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

जिले में अब तक 1103.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 1 जून से 5 सितंबर 2026 तक 1103.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवधि में कोटाडोल तहसील में सर्वाधिक 1490.4 मिमी, जबकि खड़गावां में न्यूनतम 801.4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ में 1078.2 मिमी, चिरमिरी में 1000.5 मिमी, केल्हारी में 940.4 मिमी, भरतपुर में 1310.5 मिमी तथा कोटाडोल में 1490.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, अवैध रेत-गिट्टी परिवहन में 8 ट्रैक्टर जब्त

–शिकायतों के समयबद्ध निराकरण और अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन की सतत निगरानी –जब वाहनों पर खनिज अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई



रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित संचालन लेते हुए गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में खनिज विभाग ने अवैध रेत एवं गिट्टी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 8 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। यह कार्रवाई जिले में अवैध खनन, उत्खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण तथा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की दिशा में की गई है। खनिज विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच एवं मैदानी निगरानी के दौरान इन वाहनों को अवैध रूप से खनिज परिवहन करते हुए पकड़ा। कार्रवाई के तहत ग्राम खासा से रेत परिवहन करते 2 ट्रैक्टर, रूमगा से 2, चिवगोहना से 1, कोरजा से 1 तथा लालपुर से 1 ट्रैक्टर जब्त किया गया। इसके अलावा कोटमी से गिट्टी का अवैध परिवहन करते 1 ट्रैक्टर भी जब्त किया गया। पुलिस थानों और चौकी में सुरक्षित रखे गए जब्त वाहन खनिज विभाग द्वारा जब्त किए गए वाहनों को नियमानुसार सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इनमें से 4 ट्रैक्टर गौरेला थाना, 3 ट्रैक्टर कोटमी चौकी तथा 1 ट्रैक्टर मरवाही थाना में सुरक्षित रखा गया है।

अपर आयुक्त ने महादेवघाट विसर्जन कुण्ड को तैयार करने के लिए निर्देश

रायपुर। आज रायपुर नगर पालिक निगम के अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने रायपुर नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत श्रीगणेश उत्सव पर्व के पूर्व महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड को तैयार किये जाने कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल और कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा सहित नगर निगम जोन 8 के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया। अपर आयुक्त ने जोन कमिश्नर और कार्यपालन अभियंता को श्रीगणेश की प्रतिमाओं के इको प्रेष्ठली विसर्जन हेतु विसर्जन कुण्ड को शीघ्र प्राथमिकता से तैयार करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा सहित अन्य सम्बंधित जोन 8 अधिकारियों सहित जोन क्षेत्र अंतर्गत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र में अटल आवास



परिसर और अन्य स्थानों पर प्रगतिरत निर्माण कार्यों की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। वहीं संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 के सरोना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न प्रगतिरत

निर्माण कार्यों की प्रगति प्रत्यक्ष देखी और कोटा क्षेत्र में रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 20 क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र में वार्ड पार्श्व भगताराम हरबंश और संत रविदास वार्ड क्रमांक 70 के क्षेत्र में वार्ड पार्श्व अर्जुन यादव की उपस्थिति रही।

अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने प्रगतिरत विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त की और विकास कार्यों को स्वीकृति अनुसार सभी स्थानों पर वार्ड 2, 20, 70 में तत्काल गतिमान करते हुए सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता का ध्यान रखकर विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपर आयुक्त ने कार्यदेश के बाद भी विकास कार्यों में विलम्ब कर रहे सम्बंधित ठेकेदारों पर नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लोकधुनों और लोकगाथाओं से सजेगा रायपुर का ‘लोकरंग पर्व’

–रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं, लोकगाथाओं और पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत को मंच देने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ‘विभागीय आयोजन 2026’ के अंतर्गत तीन दिवसीय ‘लोकरंग पर्व’ का आयोजन किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक आयोजन 6, 7 एवं 8 सितंबर को रायपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच, महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, सिविल लाइंस में आयोजित होगा। लोकरंग पर्व के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विविध लोक विधाओं को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन में प्रदेश की पारंपरिक लोकगाथाओं, लोकनाट्य, लोकगीत और



लोकनृत्य की ऐसी रंगारंग प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी, जो छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू और उसकी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत करेंगी।

भरथरी और पंडवानी से लेकर पंथी-करमा तक

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक विधाओं भरथरी, पंडवानी, दोलामारू, लोरिकचंदा, नाचा और गम्मत की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इनके साथ सुआ, करमा और पंथी जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां भी दर्शकों को छत्तीसगढ़ की लोकजीवन से जोड़ेंगी। वहीं बांसगीत, देवारगीत, ददरिया, जसगीत और संस्कार गायन जैसी लोक एवं पारंपरिक गायन शैलियों की प्रस्तुतियों के जरिए प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और लोक परंपराओं की गहराई को सामने लाया जाएगा।



को पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का मूल आधार है। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने मोबाइल फ़ोन का उपयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के लिए करने तथा इसके दुरुपयोग से बचने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ सेल्फी भी ली।

AI के युग में शिक्षक बनें विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की दें सीख : राज्यपाल श्री डेका



पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए

चयनित 64 शिक्षकों के नामों की घोषणा भी की। शिक्षक विद्वानों ने शिक्षा अतिथि राज्यपाल रमन डेका ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका को व्यापक हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस

अर्जित करने, नवाचार करने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आज गूगल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारे पास सूचनाओं का विशाल संसार उपलब्ध है। इसके बावजूद हमें यह ध्यान रखना

होगा कि तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक विकास को प्रभावित न करे। दुनिया के अनेक देशों में विद्यार्थियों द्वारा स्मार्टफ़ोन और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है। तकनीक हमें जानकारी उपलब्ध करा सकती है, लेकिन संस्कार, संवेदना, अनुशासन, प्रेरणा और जीवन की सही दिशा गुरु से ही मिलती है। इसलिए बदलते समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित, बहुभाषी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। आने वाले समय में शिक्षा के स्वरूप में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में शिक्षकों को निरंतर अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना होगा। साथ ही विद्यार्थियों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही विषय और करियर चुनने में मार्गदर्शन देना होगा।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि आज गूगल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारे पास सूचनाओं का विशाल संसार उपलब्ध है। इसके बावजूद हमें यह ध्यान रखना

बंजर जमीन पर लहलहाई ग्राफ़टेड फसल

रायपुर। ग्राफ़टेड टमाटर और बैंगन की खेती (जिसमें नीचे जंगली बैंगन यानी रूटस्टॉक और ऊपर टमाटर या हाइब्रिड बैंगन यानी सायन होता है) पारंपरिक खेती की तुलना में अधिक फ़यदेमंद और रोग-प्रतिरोधी है। यह पौधा अधिक पानी या लंबे समय तक सूखा और भारी बारिश को आसानी से सहन कर लेता है।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड अंतर्गत ग्राम



झारआमा के किसान एतवार साय पैकुरा ने आधुनिक तकनीक और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से खेती में सफलता की नई मिसाल कायम की है। कभी अनुपयोगी और बंजर पड़ी रहने वाली जमीन पर ग्राफ़टेड टमाटर और बैंगन की खेती कर उन्होंने न केवल 187 क्विंटल का बंपर उत्पादन हासिल किया, बल्कि कुल 4.25 लाख की आमदनी भी अर्जित की।

चंदाखोरी-चंदा मामा एंकर सोमा देवांगन को हिरासत में

सामाजिक कार्यकर्ता छुड़ाने पहुंचे

रायपुर। राजधानी में महापौर मीनल चौबे से जुड़े सोशल मीडिया वीडियो के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एंकर सोमा देवांगन को हिरासत में लिया है। सिविल लाइन पुलिस ने शनिवार को सोमा देवांगन को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। वहीं सोमा देवांगन को छुड़ाने के लिए कांग्रेस से जुड़े कुछ ऐसे लोग जिन पर रेप के आरोप लगे हैं जो चंदाखोरी करते हैं, जो पार्टी के लिए अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं ऐसा लोग ही सिविल लाइन थाने के बाहर पहुंचे।

हिरासत में लेने की कार्रवाई को लेकर समर्थकों और कांग्रेस से जुड़े लोगों की मौजूदगी के कारण थाने के आसपास गतिविधियां तेज रहीं। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने उद्योग भवन के सामने घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया और इसके बाद अपने साथ ले गई। यह पूरा मामला सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो से जुड़ा बताया जा रहा है। वीडियो में रायपुर की महापौर मीनल चौबे को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद मामले को लेकर शिकायत की गई थी। शिकायत में वीडियो के निर्माण, प्रसारण और इससे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई थी।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इसी क्रम में शनिवार को सिविल लाइन पुलिस ने सोमा देवांगन को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस अब वीडियो से संबंधित तथ्यों और इसके निर्माण एवं प्रसारण में अलग-अलग लोगों की कथित भूमिका की जांच कर रही है। सोमा देवांगन को हिरासत में लिए जाने के बाद उससे मामले के संबंध में पूछताछ और अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की बात सामने



आई है। फ़िल्हाल यह स्पष्ट होना बाकी है कि पूछताछ के बाद पुलिस इस मामले में आगे क्या कार्रवाई करती है। पुलिस की जांच में यह भी देखा जा रहा है कि संबंधित वीडियो किसने तैयार किया।

उसे किन माध्यमों से प्रसारित किया गया और वीडियो में इस्तेमाल की गई सामग्री के लिए किसकी क्या भूमिका या जिम्मेदारी बनती है। मामला रायपुर की महापौर से जुड़ा होने के कारण राजनीतिक और सार्वजनिक स्तर पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री को लेकर की गई शिकायत के बाद शुरू हुई पुलिस कार्रवाई में अब सोमा देवांगन को हिरासत में लिया जाना महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। पुलिस की ओर से जांच और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरोपों तथा मामले में संबंधित लोगों की भूमिका की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। समाचार लिखे जाने तक सोमा देवांगन पुलिस हिरासत में थी और मामले में आगे की कार्रवाई जारी थी।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivers With in 3 K.M. 9788-4011912
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at **Chopati Civic Centre Bhilai**
Near Chandulal Chandrakar Hospital, **Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)**
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह- वन मंत्री केदार कश्यप ने सेवानिवृत्त शिक्षकों और शिक्षा दूतों को किया सम्मानित

शिक्षक दिवस के अवसर पर नारायणपुर के ए.जी. ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप और राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर उपस्थित रहे।

अनुशासन और संस्कारों से ही मिलती है सफलता: केदार कश्यप वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अनुशासन, संस्कार, धैर्य और संकल्प के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने परिवार



को पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का मूल आधार है। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने मोबाइल फ़ोन का उपयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के लिए करने तथा इसके दुरुपयोग से बचने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ सेल्फी भी ली।

खड़गावां से ‘सक्षम एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026’ का हुआ आगाज स्वास्थ्य मंत्री ने किया वृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

30 सितंबर को खड़गावां होगा क्षय रोग मुक्त घोषित: स्वास्थ्य मंत्री

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान : स्वास्थ्य मंत्री रायपुर। एमसीबी जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक व्यक्ति को समय पर जांच, उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ ‘सक्षम एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026’ का शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गावां से भव्य शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अभियान का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गावां में वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया



गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार का लाभ लिया।

अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पतालों और बड़े स्वास्थ्य केंद्रों तक सीमित रखने के बजाय गांव-गांव एवं घर-घर तक

पहुंचाना है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान, नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक उपचार की सुविधा नजदीक ही मिल सके।

पंजीयन से दीप प्रज्वलन तक मंत्री ने किया शुभारंभ-स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सबसे पहले सेवा संकल्प अभियान के पंजीयन टेबल का निरीक्षण किया। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया तथा शिविर में आने वाले लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद विभिन्न रोगों एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विभागवार स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से जांच, उपचार और परामर्श की जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद मंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर वृहद स्वास्थ्य शिविर का विधिवत शुभारंभ किया।